दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-166, भोपाल, शनिवार 30 अप्रैल 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"कर्म सही या गलत नहीं होता है। लेकिन जब कर्म आंशिक, अधूरा होता है, सही या गलत की बात तब सामने आती है।" - ब्रूस ली

सेमीकॉन इंडिया सम्मेलन 2022 के उद्घाटन कार्यक्रम में बोले पीएम

हमने भारत में व्यापार करने में आसानी हो इसके लिए व्यापक सुधार किए हैं: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बेंगलुरु में सेमीकॉन इंडिया सम्मेलन 2022 के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि %मुझे खुशी है कि ऐसा सम्मेलन भारत में हो रहा है। सेमी-कंडक्टर दुनिया में हमारी कल्पना से कहीं अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और हमारे इस कदम से भारत सेमीकंडक्टर का हब साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत में तकनीक और जोखिम लेने की भूख है। हमने एक सहायक नीतिगत वातावरण के माध्यम से जहाँ तक संभव हो बाधाओं को आपके पक्ष में रखा है। हमने दिखा दिया है कि भारत का मतलब व्यापार है।

कैसे बनेगा भारत सेमीकंडक्टर का हब

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सेमीकंडक्टर और प्रौद्योगिकियों के लिए क्यों एक आकर्षक गंतव्य होगा, छह कारण देकर प्रधानमंत्री मोदी ने इसपे प्रकाश डाला उन्होंने कहा मैं भारत के सेमी-कंडक्टर प्रौद्योगिकियों के लिए एक आकर्षक निवेश गंतव्य होने के छह कारण देखता हूं...

- सबसे पहला, हम 1.3 अरब से अधिक भारतीयों को जोड़ने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहे हैं।
- दूसरा, हम भारत के लिए अगली प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व करने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। हम छह लाख गांवों को ब्रॉडबैंड से जोड़ने की राह पर हैं। हम 5त्न, ढ्ढश्ज्ञ और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में क्षमताओं को विकसित करने में निवेश कर रहे हैं।
- तीसरा, भारत मजबूत आर्थिक विकास की ओर अग्रसर है। हमारे पास दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला स्टार्टअप इको-सिस्टम है। कुछ हफ्तों में नए यूनिकॉर्न आ रहे हैं। भारत में सेमी-कंडक्टर की अपनी खपत 2026 तक 80 बिलियन डॉलर और 2030 तक 110 बिलियन डॉलर को पार करने की उम्मीद है।
- चौथा, हमने भारत में व्यापार करने में आसानी हो इसके लिए व्यापक सुधार किए हैं। पिछले साल, हमने 25,000 से अधिक अनुपालनों को समाप्त कर दिया और लाइसेंसों के ऑटो-नवीनीकरण की दिशा में जोर दिया। डिजिटलीकरण भी नियामक ढांचे में गति और पारदर्शिता ला रहा है।
- पांचवां, हम 21वीं सदी की जरूरतों के लिए युवा भारतीयों के कौशल और प्रशिक्षण में भारी निवेश कर रहे हैं। हमारे पास एक असाधारण सेमी-कंडक्टर डिज़ाइन टैलेंट पूल है जो दुनिया के 20त्न सेमीकंडक्टर डिज़ाइन इंजीनियरों को बनाता है।
- छठा, हमने भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को बदलने की दिशा में कई उपाय किए हैं। वह भी ऐसे समय में जब सारी दुनियां महामारी से लड़ रही थी, भारत न केवल हमारे लोगों के स्वास्थ्य में सुधार कर रहा था बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य में भी सुधार कर रहा था।
- आपको बता दें कि यह कार्यक्रम 29 अप्रैल से 1 मई तक चलेगा। तीन दिवसीय इस सम्मलेन का उद्देश्य भारत को विश्व स्तर पर सेमीकंडक्टर हब बनाने एवं चिप डिज़ाइन से लेकर विनिर्माण के अनुकूल परिवेश बनाने की दिशा में काम करने के लिए किया जायेगा। इसका उद्देश्य भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में अव्वल बनाना है। इस सम्मलेन में शिक्षा और उद्योग जगत के उद्योग संघों और अनुसंधान संगठनों के कई जाने माने दिग्गज शामिल होंगे। इस कांफ्रेंस में दुनिया भर के सेमीकंडक्टर क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों के प्रतिनिधि और विशेषज्ञ शामिल होंगे। कांफ्रेंस में माइक्रान के सीईओ संजय मल्होत्रा और कैडेंस के सीईओ अनिरुद्ध देवगन के शामिल होने की पुष्टि हो गई है।

इस कार्यक्रम की थीम- डिजाइन एंड मैन्युफैक्चर इन इंडिया, फॉर द वर्ल्ड ~ मेकिंग इंडिया ए सेमीकंडक्टर नेशन है। इस समेल्लन को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जाएगा। इस सम्?मेलन में सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण से जुड़े उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के वैश्विक विशेषज्ञों एवं सरकार के प्रमुख प्रतिनिधियों के इस कार्यक्रम में भाग लेने का अनुमान है।

महबूबा मुफ्ती ने बीजेपी पर लगाए कई आरोप

नईदिल्ली। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने आज बीजेपी पर कई आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश एक धर्मनिरपेक्ष नींव पर आधारित है। धर्मनिरपेक्षता हमारे डीएनए में है। महबूबा ने इसी के साथ आरोप लगाया कि बीजेपी धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को तोड़ने की कोशिश कर रही है और मस्जिदों में लाउडस्पीकर बंद कराना भी उनके एजेंडे का हिस्सा है।

पीएम मोदी से मिले गोवा के सीएम प्रमोद सावंत

नईदिल्ली। गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने आज दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम से मुलाकात के बाद उन्होंने बताया कि उनकी पीएम के साथ गोवा के विकास के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई है।

सुमात्रा द्वीप पर भूस्खलन होने से अवैध खनन में लगी 12 महिलाओं की मौत

सुमात्रा, एजेंसी। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर स्थित सोने की अवैध खदान में खनन कर रहीं 12 महिलाओं की मौत वहां पर अचानक आए भूस्?ख?लन की वजह से हो गई है। इसके अलावा इस हादसे में दो महिलाओं को घायल अवस्?था में अस्?पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले 2019 में हुए एक हादसे में 40 लोगों की मौत हो गई थी

पदाधिकारी सम्मेलन में जे.पी. नड्डा ने लिया हिस्सा

नईदिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में भाजपा कार्यकर्ताओं के पदाधिकारी सम्मेलन में हिस्सा लिया।

हरदीप सिंह पुरी ने गैर-भाजपा शासित राज्यों पर किया हमला

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज गैर-भाजपा शासित राज्यों पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जितना ये राज्य वैट वसूल रहे हैं और उसका आधा वैट भाजपा राज्य वसूल रहे हैं। पेट्रोल की खुदरा कीमतों में भाजपा और गैर-भाजपा शासित राज्यों के बीच 15 से 20 रुपये का अंतर है।

तेल के ऊंचे दामों से जल्द मिल सकती है राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल के ऊंचे दामों की मार झेल रही भारतीय जनता को जल्द राहत मिल सकती है। तेल के सस्ते आयात को लेकर भारत की रूस के साथ बातचीत चल रही है। भारतीय रिफाइनर रूस के साथ छह महीने के तेल सौदे पर वार्ता कर रहे हैं। प्रति माह लाखों बैरल आयात करने के लिए दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा आयातक (भारत) पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद अधिक रूसी कच्चे तेल की मांग कर रहा है। भारत ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से दो महीनों में रूस से दोगुने से अधिक कच्चा तेल की खरीद की है।

बता दें कि रूस के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों ने कई तेल आयातकों को मास्को के साथ व्यापार से दूर रहने को कहा है, जिससे रूसी कच्चे तेल कीमतों काफी गिर गई हैं। सूत्रों के अनुसार इसी के चलते रूसी कंपनी रोसनेफ्ट, भारतीय और चीनी कंपनियों के साथ आपूर्ति सौदों के बारे में बातचीत कर रही है। सूत्रों ने कहा कि भारत की शीर्ष रिफाइनर इंडियन आयल कार्प (आइओसी), भारत पेट्रोलियम कार्प और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्प रूस की रोसनेफ्ट के साथ सौदे पर बातचीत कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आईओसी अन्य 30 लाख बैरल खरीदने के विकल्प के साथ प्रति माह 60 लाख बैरल तेल आयात करने के सौदे पर बातचीत कर रही है।

खालिस्तान पर सुलगा पटियाला: सिख और हिंदू संगठन भिड़े, एसएचओ घायल

चंडीगढ़, एजेंसी। पटियाला में शुक्रवार को खालिस्तान विरोधी मार्च पर सिख और हिंदू संगठन आमने-सामने आ गए। हिंदू संगठन मार्च निकालने की तैयारी में थे। इसी दौरान कुछ सिख संगठन इनका विरोध करने लगे। इस वजह से माहौल इतना बिगड़ गया कि दोनों पक्षों के बीच पथराव हो गया। इस बीच एसएचओ को हाथ में चोट लग गई। इसके बाद हालात संभालने के लिए एसएसपी ने हवाई फायरिंग की। फिलहाल यहां माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है पुलिस ने सिख संगठनों को प्रदर्शन करने और हिंदू संगठनों को मार्च निकालने से रोक दिया है। मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। वहीं सिख संगठनों ने पटियाला के फव्वारा चौक पर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। वह कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इस घटना के बाद सीएमभगवंत मान ने हाईलेवल मीटिंग बुला ली है। जिसमें ष्ठत्रक्क वीके भावरा समेत लॉ एंड ऑर्डर से जुड़े सभी सीनियर अफसरों को तलब किया गया है। यहां शिवसेना ने खालिस्तान के खिलाफ पुतला फूंक प्रदर्शन की तैयारी की थी। इसका पता चलते ही खालिस्तान समर्थकों ने विरोध शुरू कर दिया। वहां पर पुलिस ने उन्हें रोक लिया और वापस भेज दिया। हालांकि सिख संगठनों के सदस्य काली माता मंदिर में तलवारें लेकर पहुंच गए। यहां दोनों पक्षों के बीच जमकर ईंट-पत्थर चले। इस दौरान एसएचओ करनवीर ने सिख प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की तो उनका हाथ जख्मी हो गया।

मप्र शिक्षा बोर्ड की 10वीं-12वीं की परीक्षा घोषित

गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को बधाई

भोपाल। मप्र के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने मप्र शिक्षा बोर्ड की 10वीं-12वीं की परीक्षा में उत्तीर्ण सभी छात्र-छात्राओं को उनकी इस सफलता पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। डॉ. मिश्रा ने कहा कि जो विद्यार्थी परीक्षा में सफल नहीं हो पाए हों, वे निराश न हों। कड़ी मेहनत करें, सफलता अवश्य मिलेगी।

माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बोर्ड) की 10वीं और 12वीं बोर्ड में छोटे शहरों की बेटियों ने टॉप किया है। स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार सिंगल क्लिक से रिजल्ट जारी किया। करीब 18 लाख स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी। 10वीं में 59.54 प्रतिशत पास हुए हैं। 12वीं के 72 फीसदी स्टूडेंट पास हुए हैं। 10वीं के 3.50 लाख और 12वीं के 1.20 लाख बच्चे फेल हुए हैं। सभी 11 टॉपर छोटे शहरों की बेटियां हैं। कक्षा 10वीं में छतरपुर की नैंसी दुबे और सतना की सुचिता पांडे ने संयुक्त रूप से टॉप किया है। दोनों ने 496 नंबर (99.2प्रतिशत) हासिल किए हैं। 12वीं के अलग-अलग विषयों में 9 टॉपर्स भी लड़कियां हैं। 12वीं में श्योपुर की प्रगति मित्तल ने प्रदेश में सभी संकाय में ओवरऑल टॉप किया है। प्रगति ने विज्ञान-गणित समूह में 500 में से 494 अंक हासिल किए है। संकाय के हिसाब से देखें तो कला समूह में सागर की इशिता दुबे 480 नंबर के साथ टॉपर हैं। विज्ञान गणित समूह में श्योपुर की प्रगति मित्तल (494 अंक) ने और कॉमर्स समूह में मुरैना की खुशबू शिवहरे (480 अंक) ने टॉप किया। जीव विज्ञान समूह में शाजापुर की दिव्यता पटेल (491अंक) ने टॉप किया है। 12वीं की मेरिट में कुल 153 स्टूडेंट हैं। इनमें 93 छात्राएं और 60 छात्र हैं।

10वीं के 95 टॉपर में 55 बेटियां: 10वीं की परीक्षा 18 फरवरी से 10 मार्च तक हुई। इसमें 10 लाख 29 हजार 698 स्टूडेंट शामिल हुए। इसमें रेगुलर स्टूडेंट 9 लाख 31 हजार 860 थे। रेगुल स्टूडेंट्स का रिजल्ट 59.54प्रतिशत रहा। इसमें 56.84प्रतिशत छात्र और 62.47प्रतिशत छात्राएं हैं। 95 स्टूडेंट स्टेट मेरिट में आए हैं। इसमें 55 छात्राएं और 40 छात्र हैं।

बिजली संकट: कोयले की रैक जल्द पहुंचाने के लिए 657 पैसेंजर ट्रेनें रद्द

नईदिल्ली, एजेंसी। देशभर में गर्मी का कहर जारी है। शुक्रवार को देश के विभिन्न हिस्सों में पारा 45 डिग्री के पार जा पहुंचा। ऐसे में बिजली कटौती जनता के लिए परेशानी का सबब बन गई है। देश के 16 राज्यों में बिजली संकट गहराया हुआ है। 8-10 घंटे के कट लग रहे हैं। यूपी, राजस्थान, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु समेत कई राज्यों को कोयले की कमी के चलते भारी बिजली संकट से भी गुजरना पड़ रहा है। इसी बीच यूपी में बिजली आपूर्ति बनाए रखने में मदद के लिए केंद्र सरकार ने 657 पैसेंजर ट्रेनों को रद्द करने का फैसला किया है।

बताया जा रहा है कि इन गाड़ियों को इसलिए रद्द किया गया, ताकि थर्मल पावर स्टेशनों के लिए सप्लाई किए जा रहे कोयले से लदी माल गाड़ियों को आसानी से रास्ता प्रदान किया जा सके और समय से कोयला पहुंच सके। दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र समेत देश के 13 राज्य बिजली संकट का सामना कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि भीषण गर्मी के चलते बिजली की मांग तेजी से बढ़ी है। इसके अलावा कोयले की कमी के चलते भी कई राज्यों में बिजली संकट पैदा हुआ है। उधर, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, झारखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान में भी बिजली कटौती के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

देश के बिजली संकट पर केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, रूस से गैस की आपूर्ति ठप हो गई है। हालांकि, थर्मल पावर प्लांट में 21 मिलियन टन कोयले का स्टॉक है। जो दस दिन के लिए काफी है। कोल इंडिया को मिलाकर भारत के पास कुल 30 लाख टन का स्टॉक है। ये 70 से 80 दिन का स्टॉक है। हालांकि, वर्तमान स्थिति स्थिर है। उन्होंने कहा, वर्तमान में, 2.5 बिलियन यूनिट की दैनिक खपत के मुकाबले लगभग 3.5 बिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन होता है। हालांकि, पिछले दिनों में गर्मी के साथ साथ बिजली की मांग भी बढ़ी है। हमारे पास 10-12 दिनों का कोयला स्टॉक है। हालांकि, उसके बाद भी पावर प्लांट बंद होने की कोई संभावना नहीं है।

गुजरात: विधायक जिग्नेश मेवाणी को जमानत मिली, महिला कॉन्स्टेबल से मारपीट का आरोप

बारपेटा, एजेंसी। असम के बारपेटा जिले की एक अदालत ने शुक्रवार को महिला पुलिस अधिकारी से कथित मारपीट के सिलसिले में गुजरात के निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवानी को जमानत दे दी। मेवाणी ने इस मामले में गुरुवार को जमानत याचिका दायर की थी जिग्नेश मेवाणी के वकील अंगसुमन बोरा ने बताया कि कुछ औपचारिकताओं के कारण उन्हें 30 अप्रैल को रिहा किए जाने की उम्मीद है। आपको बतां दे कि असम के बारपेटा जिले की एक अदालत ने एक महिला पुलिस अधिकारी द्वारा दायर मारपीट के मामले में मंगलवार को दलित कार्यकर्ता तथा गुजरात के निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवानी को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। । गुजरात के दलित नेता के खिलाफ असम में दर्ज किया गया यह दूसरा मामला है। मेवानी के वकील अंगशुमान बोरा ने कहा था कि वे बृहस्पतिवार को जमानत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। गुजरात के विधायक को इससे पहले सोमवार को कोकराझार की एक अदालत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में किए गए एक ट्वीट से संबंधित एक अन्य मामले में जमानत पर रिहा कर दिया था।

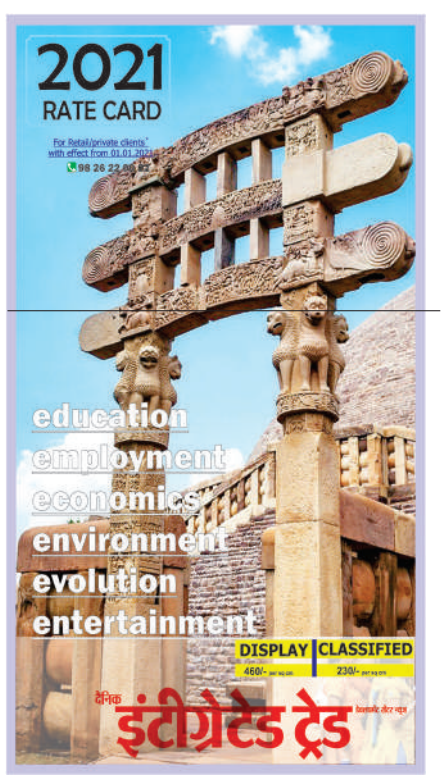

मोदी के जम्मू दौरे से परेशान पाकिस्तान, शहबाज शरीफ ने पीएम की सभा को दिखावा कहा; भारत बोला- आपको बोलने का हक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने प्रधानमंत्री मोदी के जम्मू-कश्मीर दौरे पर आपत्ति जताने वाले पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान को प्रधानमंत्री मोदी के जम्मू-कश्मीर दौरे पर टिप्पणी करने का कोई हक नहीं है। दरअसल, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पीएम मोदी के कश्मीर दौरे को दिखावा बताया था। साथ ही चिनाब नदी पर रतले और क्वार पनबिजली परियोजनाओं के निर्माण की आधारशिला रखने पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि यह सिंधु जल संधि का खुला उल्लंघन है।

शाहबाज ने पीएम मोदी के दौरे को 'दिखावा कहा था: इस मामले पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा- प्रधानमंत्री के केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के दौरे के मुद्दे पर, मुझे 'दिखावा% शब्द का मतलब समझ में नहीं आता है। इस शब्द से ऐसा लगता है कि यह दौरा हुआ नहीं था और हम यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह हुआ था।

उन्होंने कहा- उनका (प्रधानमंत्री का) जो स्वागत-सत्कार हुआ और आपने जो तस्वीरें देखीं उससे यह बिल्कुल साफ है। पीएम मोदी ने जिन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और धरातल पर जो बदलाव हुए हैं, वे प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर उठने वाले किसी भी सवाल का बिल्कुल साफ जवाब हैं। किसी भी स्थिति में पाकिस्तान को इस नजरिए से बात करने का कोई अधिकार नहीं है कि जम्मू कश्मीर में क्या हो रहा है।

भारत के साथ काम करने की जताई थी ख्वाहिश: इसके पहले शहबाज शरीफ ने भारत के साथ मिलकर काम करने की ख्वाहिश जताई थी। उन्होंने पीएम मोदी को लिखे एक पत्र में कहा था- शांति और स्थिरता के लक्ष्य और जम्मू-कश्मीर समेत सभी विवादित मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जा सकता है। भारत पाकिस्तान के शांतिपूर्ण संबंध नागरिकों के सामाजिक-आर्थिक विकास लिए जरूरी हैं। पीएम मोदी आर्टिकल 370 हटने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर पहुंचे थे। इस दौरान पीएम मोदी ने अमृत सरोवर नाम की एक पहल भी शुरू की। पीएम ने ट्वीट कर कहा था- मैं अमृत सरोवर पहल का उद्घाटन करने के लिए उत्सुक हूं, जो हमारे जल निकायों को फिर से जीवित करने और पानी की हर बूंद को संरक्षित करने का सामूहिक प्रयास है। इसका उद्देश्य देश के प्रत्येक जिलों में 75 जल निकायों का विकास और कायाकल्प करना है। उन्होंने 3,100 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनी बनिहाल-काजीगुंड रोड टनल का उद्घाटन भी किया था।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएँ

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा है कि आज कक्षा 10वीं और 12वीं के परिणाम घोषित होने वाले हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जो विद्यार्थी सफल होंगे उन्हें बहुत-बहुत बधाई, लेकिन जो विद्यार्थी असफल हुए वह भी चिंता न करें। कोविड-19 की परिस्थितियों के बावजूद भी विद्यार्थियों ने परीक्षा में अच्छे परिणाम के लिए खूब मेहनत की है। लेकिन कई बार सफलता और असफलता, पास होना, पास नहीं होना कई परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसलिए यदि असफल हो गए, तो भी हताश मत होना, निराश मत होना। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि रुक जाना नहीं योजना अभी संचालित है। आप तैयारी के बाद फिर इसी साल परीक्षा दे सकते हैं। आपका साल भी खराब नहीं होगा। अगर सफलता नहीं मिली तो अगली बार और अच्छा प्रयास करना। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि निराश नहीं होना, आगे की सफलता के लिए और मेहनत करना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय पर मीडिया को जारी संदेश में यह बात कही।

प्रदेश की लाड़ली लक्ष्मियाँ करेंगी वाघा बार्डर का भ्रमण

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर प्रदेश में 卐माँ तुझे प्रणाम卐 योजना को पुन: शुरू किया गया है। आगामी 2 मई को योजना में 196 लाड़ली लक्ष्मी बालिकाओं को अंतर्राष्ट्रीय सीमा वाघा-हुसैनीवाला (पंजाब) का भ्रमण कराया जाएगा। वर्ष 2013 से प्रदेश में शुरू हुई इस योजना में पहली बार प्रदेश की लाड़ली लक्ष्मी बालिकाएँ वाघा बार्डर जा रही हैं, जो 2 मई को अपरान्ह 3:30 बजे अमृतसर दादर एक्सप्रेस से रवाना होंगी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की %माँ तुझे प्रणाम% योजना में भोपाल संभाग से 20 लाड़ली लक्ष्मियाँ, इंदौर संभाग से 31, ग्वालियर संभाग से 15, उज्जैन संभाग से 26, नर्मदापुरम संभाग से 11, शहडोल संभाग से 15, रीवा संभाग से 12, चम्बल संभाग से 9, सागर संभाग से 26, जबलपुर संभाग से 31 बालिकाओं को वाघा-हुसैनीवाला (पंजाब) के भ्रमण पर जायेगी। योजना में अब तक लगभग 12 हजार 672 युवाओं को लेह-लद्दाख, कारगिल-द्रास, आर.एस.पुरा, वाघा-हुसैनीवाला, तानोत माता का मंदिर, लोगेंवाल, कोच्चि, बीकानेर, बाड़मेर, नाथूराम-दर्रा, पेट्रापोल, तुरा, जयगाँव, अडंमान निकोबार एवं कन्या कुमारी की अनुभव यात्रा कराई गई है।

भोपाल में 1 मई से नई पार्किंग पॉलिसी

नई गाड़ी खरीदते ही निगम एकमुश्त जमा कराएगा शुल्क, 250 से 5 हजार रुपए तक देने होंगे

भोपाल

राजधानी भोपाल में 1 मई से नई पार्किंग पॉलिसी लागू होने जा रही है। मल्टीलेवल एवं प्रीमियम पार्किंग में पहले की तरह चार्ज देना होगा तो नई गाड़ी खरीदते ही नगर निगम एकमुश्त शुल्क जमा करा लेगा। ये शुल्क 250 रुपए से 5 हजार रुपए तक है। टूव्हीलर और फोव्हीलर की कीमत के अनुसार शुल्क जमा किया जाएगा। यानी, गाड़ी की कीमत 50 हजार रुपए के भीतर है तो 250 रुपए लगेंगे। यदि यह फोरव्हीलर है और कीमत 30 लाख रुपए से ज्यादा है तो 5 हजार रुपए तक देने होंगे। दूसरी ओर 1 मई से करीब 50 स्थानों पर पार्किंग चार्ज नहीं लगेगा।

शहर में वर्तमान में संचालित एवं नई प्रस्तावित सभी मल्टीलेवल पार्किंग एवं प्रीमियम पार्किंग को छोड़कर वर्तमान एवं नई प्रस्तावित समस्त ऑनस्ट्रीट/ऑफस्ट्रीट पार्किंग निशुल्क रहेगी। मल्टीलेवल एवं प्रीमियम पार्किंग में पहले की तरह पार्किंग शुल्क वसूली जारी रहेगी। निशुल्क पार्किंग की सुविधा निगम द्वारा निशुल्क घोषित पार्किंग स्थलों पर ही उपलब्ध होगी।

... तो कार्रवाई होगी

- उक्त स्थानों के अतिरिक्त नो-पार्किंग जोन में वाहन पार्किंग करने पर नियमानुसार यातायात पुलिस कार्रवाई करेगी।
- पार्किंग स्थलों पर अनिश्चित समय तक वाहन रखने की अनुमति नहीं होगी।
- निशुल्क पार्किंग स्थलों पर युक्तियुक्त समय तक ही वाहन खड़े किए जा सकेंगे।

ये राशि वसूलेंगे

- नगर निगम द्वारा वाहन एजेंसियों के माध्यम से नई गाड़ी खरीदते समय एकमुश्त पार्किंग शुल्क वसूला जाएगा। इसकी अलग-अलग राशि तय की गई है।
- टूव्हीलर की कीमत 50 हजार रुपए तक होने पर 250 रुपए पार्किंग शुल्क लगेगा।
- टूव्हीलर कीमत 50 हजार 1 रुपए से एक लाख रुपए तक है तो 500 रुपए शुल्क रहेगा।
- टूव्हीलर की कीमत 1 से 5 लाख रुपए तक है तो एक हजार रुपए शुल्क लगेगा।
- टूव्हीलर की कीमत 5 लाख रुपए तक होने पर 1500 रुपए शुल्क देना होगा।
- फोरव्हीलर की कीमत 6 लाख रुपए तक होने पर 1500 रुपए चार्ज लगेगा।
- फोरव्हीलर की कीमत 6 से 12 लाख रुपए के बीच है तो 2 हजार रुपए लगेंगे।
- फोव्हीलर की कीमत 12 लाख से 30 लाख रुपए के बीच है तो 3 हजार रुपए शुल्क देना होगा।
- यदि फोव्हीलर की कीमत 30 लाख रुपए तक होने पर 5 हजार रुपए शुल्क लगेगा।

डीलर से लगेंगे लाइफटाइम चार्ज लगेंगे

नई गाड़ी खरीदते समय डीलर लोगों से चार्ज लेंगे और वह नगर निगम को जमा करेंगे। पुरानी गाड़ियों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लगेगा। पुराने स्थानों पर अधिक राशि लेने की शिकायतें निगम को मिलती है। करीब 55 पार्किंग स्थलों पर 1 मई से चार्ज नहीं लगेगा, लेकिन लोगों को अपनी गाड़ियां वहीं खड़ी करना होगी, जो निर्धारित किए गए हैं। वरना ट्रैफिक पुलिस चालानी कार्रवाई करेगी।

आयुष एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में किये जाने वाले शोध हों विश्वस्तरीय

भोपाल

आयुष एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में जो शोध किये जा रहे हैं, उन्हें विश्व-स्तरीय बनाये जाने की आवश्यकता है। ऐसा करके हम शोध को कहीं ज्यादा उपयोगी बना सकते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन संस्थान के सलाहकार श्री सुनील कुमार आज भोपाल के आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में पीएच.डी. संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस विमर्श के माध्यम से विषय-विशेषज्ञों के विचारों को शोधकर्ताओं तक पहुँचाया जा रहा है। सत्र के दौरान विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के रिसर्च स्कॉलर्स ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। प्रमुख रूप से स्वास्थ्य नीति, स्वास्थ्य प्रबंधन, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, आयुर्वेद धनवंतरी, जीव विज्ञान, महामारी विज्ञान, मनोविज्ञान जैसे विषयों पर शोध प्रस्तुत किये गये। आयुष विभाग के अधिकारी डॉ. राजीव मिश्रा ने बताया कि मध्यप्रदेश के वनों में विविध किस्मों की औषधीय-वनस्पति पायी जाती है। इन पर लगातार शोध किये जाने की आवश्यकता है। आयुर्वेद की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि आयुर्वेद दवाईयों का मनुष्यों पर साइड इफेक्ट नहीं होते हैं। इस वजह से इनके उपयोग को बढ़ावा दिये जाने की जरूरत है। सत्र की अध्यक्षता आरजीव्हीपी भोपाल की डॉ. अर्चना तिवारी ने की। सत्र में डॉ. दीपक द्विवेदी वैज्ञानिक लघु वनोपज संघ, असिसटेंट प्रोफेसर देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय, डॉ. हेमंत परमार ने शोधकर्ताओं को ऐसी सामग्री को शामिल किये जाने की बात कहीं, जो नवीन विषयों पर आधारित हो।

अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी के दूसरे दिन संचालक म.प्र इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च श्री वाई.एस.सिसोदिया ने रिसर्च मेथोडोलाजी विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट उद्यान में पीपल और सप्तपर्णी के पौधे रोपे

वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी विकास समिति ने भी किया पौध-रोपण

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में पीपल और सप्तपर्णी के पौधे रोपे। वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी जन-कल्याण विकास समिति के सदस्य सर्वश्री रघुनंदन शर्मा, हीरालाल ठाकुर, लालचंद भारके, हेमेंद्र मालवीय और ए. खान ने भी पौध-रोपण किया। समिति द्वारा कॉलोनी के नाम 卐ग्रीन पार्क卐 के अनुरूप रख-रखाव के साथ 100 पौधे लगाए गए है, जो हरे भरे है। कॉलोनी में वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था भी है। कॉलोनी परिसर में निरंतर स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। समय-समय पर जागरूकता शिविर लगाकर शासन-प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे जनहित के कार्यक्रमों की जानकारी दी जाती है। आज लगाया गया पीपल छायादार वृक्ष है। इसे अक्षय वृक्ष भी कहा जाता है। यह पर्यावरण शुद्ध करता है। इसका धार्मिक और आयुर्वेदिक महत्व है। पीपल का वृक्ष दिन-रात ऑक्सीजन छोड़ता है, जो पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है। सप्तपर्णी, सदाबहार औषधीय वृक्ष है, जिसका आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इसका उपयोग विभिन्न औषधियों के निर्माण में किया जाता है।

डे ऑफ इम्युनोलॉजी : हेपेटाइटिस बी पॉजिटिव मां के गर्भ में ही बच्चे को संक्रमण का खतरा

भोपाल

डे ऑफ इम्युनोलॉजी संक्रमण, ऑटोइम्यूनिटी और कैंसर के खिलाफ लड़ाई में इम्यूनोलॉजी के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इस साल के डे ऑफ इम्युनोलॉजी की थीम ''वैक्सीन'' है। भोपाल के दो बड़े चिकित्सा संस्थानों में हुई एक स्टड़ी में पता चला है कि लिवर डिसीज की बड़ी वजह हेपेटाइटिस बी की बीमारी है। यदि किसी वयस्क सदस्य को हेपेटाइटिस बी का संक्रमण होता है तो उसका लिवर डेमेज होने की संभावना 5 से 10 फीसदी तक होती है लेकिन यदि कोई गर्भवती महिला इस बीमारी से संक्रमित है तो

उसके बच्चे को हेपेटाइटिस बी संक्रमित होने के चलते लिवर की बीमारी होने की संभावना 90 से 95 फीसदी तक होती है। अब तक हुए शोधों में यह माना जाता है कि हेपेटाइटिस संक्रमित मां से जन्म लेने के दौरान बच्चे के पॉजिटिव होने की संभावना होती है। लेकिन भोपाल में हुई स्टड़ी में यह पाया गया कि गर्भवती मां के प्लेसेंटा से प्रेग्नेंसी के दौरान ही गर्भस्थ शिशु हेपेटाइटिस बी के संक्रमण का शिकार हो जाता है। भोपाल में एक हजार गर्भवतियों में से करीब 15 महिलाओं में हेपेटाइटिस बी पॉजिटिव पाई गई हैं।

प्लेसेंटा में मिला हेपेटाइटिस का एंट्री रिसेप्टर:- रिसर्च के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ.आशीष व्यास ने बताया कि गर्भवती महिलाओं में हेपेटाइटिस बी के संक्रमण की जांच कर रहे हैं। रिसर्च के दौरान यह देखा गया कि प्लेसेंटल कोशिकाओं में हेपेटाइटिस बी के एंट्री रिसेप्टर की मौजूदगी मिली है। रिसर्च में यह भी देखा गया कि हेपेटाइटिस बी लिवर के अलावा दूसरे प्लेसेंटा कोशिकाओं में डेवलप हो सकता है। इससे गर्भवती महिला से गर्भस्थ शिशु गर्भावस्था में इससे संक्रमित हो सकता है।

प्रेग्नेंसी का पता लगते ही कराना चाहिए हेपेटाइटिस की जांच:- डॉ.व्यास बताते हैं कि जैसे ही गर्भ का पता लगे तुरंत हेपेटाइटिस की जांच कराना चाहिए। यदि रिपोर्ट हेपेटाइटिस पॉजिटिव आती है तो गर्भवती को इलाज देना शुरू करना चाहिए। प्रेग्नेंसी की दूसरी तिमाही से ही यदि दवाएं दी जाएं तो गर्भस्थ शिशु को संक्रमण से काफी हद तक बचाया जा सकता है। हेपेटाइटिस बी के इलाज में दो दवाएं Tenfovir और Myrclude& डॉक्टर की सलाह पर दी जा सकती हैं।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

भोपाल की शादियों में अब नवाबी लुक:खूब भा रही विंटेज कारें, शादी को दे रहे रॉयल टच; दुल्हन की एंट्री भी इसी में

भोपाल

राजधानी भोपाल में वेडिंग फेस्टिवल यानी शादियों की धूम मची हुई है। दो साल बाद बिना कोई पाबंदी के बैंड-बाजा बज रहा है और बारातें निकल रही हैं। जुलाई तक करीब ढाई हजार शादियां होंगी। अबकी बार बारात में विंटेज कार का ट्रेंड बढ़ गया है। महंगी डेकोरेशन, म्यूजिकल शो के अलावा दूल्हा-दुल्हन को विंटेज कारें भा रही हैं। वे विंटेज कार में सवार होकर शादी को रॉयल टच दे रहे हैं। इसके लिए उन्हें 10 से 12 हजार रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। झीलों के शहर भोपाल में बारात निकालने का ट्रेंड बदल गया है। अब घोड़ी-बग्घी के साथ बारात में दूल्हे की एंट्री विंटेज कार से हो रही है। वहीं,

दुल्हन विंटेज कार में बैठकर पिया के घर जा रही है। शहर में 12 से ज्यादा विंटेज कार है। जिन्हें ऑनलाइन तरीके से भी बुक कराया जा रहा है।

हर चौथी शादी में विंटेज कार की डिमांड:- भोपाल विंटेज कार के आर्नर मोहम्मद आमीन ने बताया, बारात, डोली और दुल्हन की एंट्री तक में क्लॉसिस विंटेज गाड़ियां इस्तेमाल हो रही हैं। इसलिए विंटेज कारों की खासी डिमांड बनी हुई है। हालत ये है कि मई-जून तक की बुकिंग अभी से हो गई है। इसके अलावा प्री-वेडिंग शूट में भी कारें यूज की जा रही है। दो-तीन साल से इन कारों में बारात निकालने का ट्रेंड है, लेकिन इस बार डिमांड बढ़ गई है। एवरेज हर चौथी शादी में कार की डिमांड है। तुलसी नगर के विजय सिंह ने बताया, उनकी 16 अप्रैल को शादी हुई थी। इसमें बारात की एंट्री विंटेज कार में बैठकर ही थी। इससे शादी में रॉयल टच आता है। मोहम्मद आमीन ने बताया, उनके पास 1934 और 1938 मॉडल की रोल्स रॉयस कार है, जो कि भारत की रियासतों के महाराजा चलाया करते थे। इस कार को स्टार ऑफ इंडिया भी कहा जाता था। रोल्स रॉयस फैंटम कार उनके नाना की है, जो कि नवाब परिवार से ताल्लुक रखते थे। इस कार को मॉडिफाई किया और अब बारात में बुकिंग कर रहे हैं। शादी में दूल्हा-दुल्हन की स्पेशल एंट्री के लिए विंटेज कार की खासी डिमांड है।

कृषकों को धान के बदले अन्य फसल लेने हेतू किया जा रहा है प्रोत्साहित

रायपुर । कलेक्टर श्री सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित ''किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी अभियान ÷कार्यक्रम के माध्यम से जिले के समस्त सेवा सहकारी समिति में कृषकों को एकत्रित कर ई-केवाइसी सत्यापन कार्य में प्रगति लायी जा रही है। 25 अप्रैल से आज तक विशेष शिविर में च्वाईस सेंटर के माध्यम से 3000 से अधिक कृषको का ई-केवाइसी किया जा चुका है। सर्वर समस्या को देखते हुए एवं अधिक से अधिक ई-केवाइसी कार्य हो सके इस हेतु सुबह 6 बजे से च्वाईस सेंटर के व्ही.एल.ई. द्वारा बायोमैट्रिक के माध्यम से सत्यापन कार्य सम्पन्न कराया जा रहा है। कृषि विभाग जिला रायपुर के उप संचालक ने बताया कि विशेष शिविर में कृषि विभाग, उद्यानिकी, मछलीपालन, पशुपालन, राष्ट्रीकृत बैंको के अधिकारी, पटवारी, पंचायत सचिव की उपस्थिति में किसानों का किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जारी करने हेतु 934 कृषकों के आवेदन प्राप्त कर केसीसी जारी किया जा रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनांतर्गत लाभार्थी कृषक जिनका केसीसी निर्माण नहीं हुआ है, उन कृषको को चिन्हांकित कर शिविर में उपस्थित कराकर केसीसी जारी कराया जा रहा है। उन्होनें बताया कि विशेष शिविर के माध्यम से अग्रिम उठाव के अंतर्गत शिविर प्रारभ से आज दिनांक तक वर्मी कम्पोस्ट वितरण 900 क्वि., रासायनिक उर्वरक वितरण 153.05 मि.टन., बीज वितरण 300 क्वि. वितरण किया जा चुका है। उप सचांलक कृषि, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला सहकारी बैंक एवं जिला विपणन अधिकारी द्वारा लगातार मॉनिटरिंग कर उर्वरक के पर्याप्त भंडारण हेतु प्रयास किया जा रहा है साथ ही इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है कि जले के समस्त सहकारी समितियों में वर्मी कम्पोस्ट, रासायनिक उर्वरक एवं बीज का पर्याप्त भण्डारण रहे।

मुख्यमंत्री ने जिले को दी सौगात, 44 करोड़ रुपए के नवीन जिला चिकित्सालय तथा मातृ-शिशु अस्पताल का किया वर्चुअल शुभारंभ'

'दूरस्थ अंचल के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का मिलेगा लाभ'

कोरिया। शिशु अस्पताल का किया वर्चुअल शुभारंभ'जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 200 बिस्तरीय नवीन जिला चिकित्सालय एवं 50 बिस्तरीय मातृ शिशु अस्पताल की सौगात दी है। मुख्यमंत्री द्वारा राजधानी स्थित निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम से जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर के कंचनपुर में कुल 44 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले अस्पताल वर्चुअल भूमिपूजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ.चरणदास महंत ने की।35 करोड़ रूपए की लागत से 200 बिस्तर नवीन जिला अस्पताल और 9 करोड़ रूपए की लागत से 50 बिस्तर वाले मातृ एवं शिशु अस्पताल के निर्माण से जिले सहित आस-पास के लोगों को अत्याधुनिक और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का भरपूर लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में बीते तीन वर्षों में स्वास्थ्य सुविधाओं को आम लोगों के निकट पहुंचाने तथा इलाज को किफायती बनाने की दिशा में लगातार काम किया है। इस कड़ी में आज कोरिया के जिले को स्वास्थ्य के क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण सौगात मिली है, इससे प्रदेश के दूरस्थ और वनांचल के लोगों सहित कोरिया के जिलेवासियों को अत्याधुनिक और सर्वसुविधायुक्त स्वास्थ्य सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ मिलेगा। इस

अवसर पर गृह तथा लोक निर्माण मंत्री और कोरिया जिले के प्रभारी मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, संसदीय सचिव एवं बैकुण्ठपुर विधायक श्रीमती अम्बिका सिंहदेव, सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री गुलाब कमरो, विधायक श्री यू.डी.मिंज सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आगे बताया कि कोरिया जिले के सम्पूर्ण विकास के लिए वहां अधोसंरचना के विकास के साथ-साथ विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का तेजी से क्रियान्वयन जारी है। आज कोरिया जिले को मिली सौगात की स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में अहम भूमिका होगी। इनमें निर्माण होने वाले सर्वसुविधायुक्त नवीन जिला अस्पताल में आधुनिक आईसीयू ऑपरेशन थिएटर, सीटी स्कैन, एमआईआर, ईसीजी आधुनिक लैब, बर्न यूनिट, डायलिसिस यूनिट, सर्जिकल वार्ड, ब्लड बैंक, कैजुअलटी एवं ट्रामा यूनिट तथा अन्य अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होगी। इसमें 7 लाख 45 हजार से अधिक जिलेवासियों को सभी स्वास्थ्य सुविधाएं जिला मुख्यालय में ही उपलब्ध हो जाएंगी। नवीन मातृ एवं शिशु अस्पताल से महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य को नई दिशा मिलेगी। नवीन मातृ एवं शिशु अस्पताल में आईसीयू, एनसीआर, एसएनसीयू, प्रसव कक्ष एवं अन्य अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि वर्तमान में कोरिया जिले में 22 उप स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को स्वीकृति प्रदान की गई है। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करते हुए 33 वेंटीलेटर बेड, 60 आईसीयू बेड, 539 ऑक्सीलनयुक्त बेड जोड़े गए हैं। महिलाओं एवं बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के रूप में प्रभावी पहल की गई है। बहुत कम समय में हमें इसके बहुत अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। कोरिया जिले में कुपोषण का स्तर वर्ष 2019 में 24.52 प्रतिशत था। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के अंतर्गत किए गए प्रयासों से यह घटकर अप्रैल 2022 में मात्र 6.41 प्रतिशत रह गया है। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियन के अंतर्गत यहां अब तक 8948 बच्चों को कुपोषण मुक्त किया जा चुका है। कोरिया जिले ने राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर कांस्य पदक हासिल किया है, जो सराहनीय है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि कोरिया जिले के सम्पूर्ण विकास को तीव्र गति दी जा रही है। इनमें वर्ष 2022-23 के बजट में कोरिया जिले की 17 सड़कों एवं पुल-पुलियों के लिए 47 करोड़ 60 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है, इससे जिले में सड़कों का विस्तार होगा, आवागमन की सुविधा बढ़ेगी तथा आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी। जिले के विकासखण्ड भरतपुर के कोटाडोल को नवीन तहसील एवं भरतपुर तथा खड़गवां-चिरमिरी में नवीन अनुविभाग कार्यालय बनाए जा रहे हैं। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के निर्माण की प्रक्रिया जारी है, नया जिला जल्द अस्तित्व में होगा। नये जिले के लिए ओएसडी की नियुक्ति कर दी गई है।

जिला चिकित्सालय जांजगीर-चांपा में डायलिसिस की सुविधा

जांजगीर-चांपा। किडनी मरीजों को डायलिसिस कराने अब कोरबा, बिलासपुर नहीं जाना पड़ेगा। आज जिला चिकित्सालय में 05 डायलिसिस मशीन लगा दी गई है। अब जांजगीर जिले के किडनी मरीजों को स्थानीय स्तर पर डायलिसिस की सुविधा मिलेगी। इससे समय और धन की बचत होगी। कलेक्टर श्री जितेंद्र कुमार शुक्ला द्वारा डायलिसिस मशीन का स्थानीय मरीजों के त्वरित लाभ देने आज दो मशीनों का ट्रायल कराया गया। जिला अस्पताल में आज लगाए गए डायलिसिस मशीन का कलेक्टर श्री जितेंद्र कुमार शुक्ला ने अवलोकन किया। उन्होंने डायलिसिस करा रहे किडनी मरीजों का कुशलक्षेम पूछा और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जांजगीर शासकीय अस्पताल में डायलिसिस मशीन की सुविधा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने जांजगीर में 5 डायलिसिस मशीनों की स्थापना पर जिले की आम जनता को बधाई देते हुए कहा कि आज इन मशीनों का ट्रायल किया जा रहा है। इनका औपचारिक उद्घाटन मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के कर कमलों से किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि जिले के किडनी रोगियों को पहले कोरबा और बिलासपुर जाकर निजी क्लीनिक में डायलिसिस कराना पड़ता था। जिससे गरीब मरीजों को डायलिसिस कराने में काफी राशि खर्च करनी पड़ती थी। राज्य सरकार द्वारा अब यह सुविधा जिला चिकित्सालय जांजगीर में उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने जिले के किडनी रोग ग्रस्त मरीजों को इस सुविधा का लाभ लेने की अपील की है। जिला चिकित्सालय में स्थापित 5 डायलिसिस मशीनों से प्रति सप्ताह 90 डायलिसिस किए जा सकेंगे।

एक मरीज को सप्ताह में 3 डायलिसिस की जरूरत होती है। इस प्रकार प्रति माह 360 डायलिसिस की सुविधा जिले के मरीजों को मिलेगी। इससे किडनी रोग ग्रस्त मरीजों को प्रतिमाह 30 हजार रुपये की बचत होगी। जिला चिकित्सालय जांजगीर में आज दो डायलिसिस मशीन का ट्रायल किया गया।

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा : कलेक्टर

गढ़ कलेवा में 01 मई से 'बोरे बासी' थाली का शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और परंपरा के संरक्षण और संवर्धन के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ी संस्कृति और लोक परंपराओं, तीज-त्योहारों को बढ़ावा देने के लिए शाससकीय अवकाश घोषित किया है। वहीं तीज-त्योहार को प्रोत्साहन देने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन भी किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री बघेल ने 01 मई को मजदूर दिवस को बोरे बासी के स्वास्थ्य और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए लोगों को बासी खाने अपील की है। मुख्यमंत्री के आव्हान पर संस्कृति विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 01 मई को मजदूर दिवस के अवसर पर संस्कृति विभाग के परिसर स्थित गढ़ कलेवा में 01 मई से 'बोरे बासी थाली' का शुभारंभ करने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बोरे बासी रात में पके हुए चावल को रातभर पानी में भिगोकर सुबह पूरी तरह भीग जाने पर भाजी, टमाटर चटनी, टमाटर-मिर्ची की चटनी, प्याज, बरी-बिजौरी एवं आम-नींबू के आचार के साथ मजे से खाया जाता है।

चिटफंड कंपनी के फरार 3 डायरेक्टर को रायपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायपुर। चिटफंड कंपनियों पर कसे शिकंजे के तहत रायपुर पुलिस को एक और सफलता मिली है। निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले चिटफंड गुरुकृपा इंफ्रास्ट्रक्चर चिटफंड कंपनी के फरार तीन डायरेक?टर को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तीन आरोपितों ने रकम को दोगुना करने का झांसा देकर लोगों से ठगी की थी।

आरोपित अविनाश कुमार चंद्रवंशी, दिलीप कुमार देवांगन और वीरेंद्र कुमार सिंह उर्फ बिट्टू दर्ज ठगी के मामले में जशपुर जेल में बंद था, जहां से पुलिस प्रोडक्शन वारंट के तहत रायपुर ले आई है। फरार आरोपितों के खिलाफ साल 2017 में रायपुर के आजाद चौक थाना में धोखाधड़ी का मामला दर्ज था। बतादें कि चिटफंड कंपनियों में डूबे करोड़ों रुपये पीड़ितों को वापस दिलाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसी क्रम में कोर्ट की ओर से गुरुकृपा इंफ्रास्ट्रक्चर चिटफंड कंपनी के प्रापर्टी को नीलाम करने का आदेश जारी हो चुका है।

ग्राम पचांयत कुसमीसरार के सरपंच और सचिव ने बिना कार्य किए लाखों रूपये किया आहरण

सरायपाली। ब्लॉक के ग्राम पचांयत कुसमीसरार के सरपंच और सचिव के विरुद्ध रामरतन भोई ने जनपद सीईओ के पास शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार सरपंच और सचिव ने 14 वे वित्त योजना राशि का आहरण पंचगण को बिना मासिक बैठक लिए बिना सहमति लिए लाखों रूपये बिना कार्य किए आहरण किए है।

शिकायत के बाद जनपद कार्यालय द्वारा 13 अप्रैल को सूचना जारी की गई ,जिसमे तत्कालीन सचिव कैलाश पटेल और सरपंच शिवप्रसाद बारीक़ को 18 अप्रैल को जांच के लिए सुबह 11 बजे उपस्थित होने को कहा गया है। सूचना के बाद जांच की प्रक्रिया पूरी कर ली है। जांच में अधिकारियों ने बताया की जांच प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है, जो दो से तीन दिन के अंदर पूरा हो जाएगा।

भूरारास में सड़क मार्ग का लोकार्पण : गढमिरी में वीर शहीद रोडापेदा की मूर्ति स्थापित की जाएगी

दन्तेवाड़ा। दंतेवाड़ा प्रभारी मंत्री एवं वाणिज्य कर आबकारी, उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा ने कुआकोंडा विकासखण्ड के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भूसारास में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत निर्मित सड़क दंतेवाड़ा से रेटम पारा जिसकी लंबाई 1.80 किलोमीटर, लागत राशि 105.95 लाख एवं एस. सी. ए. मद से पुलिया निर्माण कार्य, जिसकी लागत राशि 199.00 लाख है। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत गढ़मिरी में कुआकोंडा (गढ़मिरी) जिसकी लंबाई 3 किलोमीटर एवं लागत राशि 182.87 लाख से निर्मित सड़क का लोकार्पण किया। इस मौके पर क्रांतिकारी शहीद वीर रोडा पेदा के बलिदान का स्मरण करते हुए मंत्री श्री लखमा ने कहा कि गढ़मिरी में रोडा पेदा की मूर्ति निर्मित की जाएगी। साथ ही गढ़मिरी में रोडा पेदा के नाम से तालाब, कॉलेज व आदिवासी भवन का निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर मंत्री श्री लखमा द्वारा आर्थिक सहायता राशि 10 हजार रुपये का चेक आदिवासी नर्तक दल को दिया गया। श्री लखमा ने भूसारास के ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को सुविधाएं मिल रही हैं। प्रत्येक ग्राम पंचायत में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए देवगुड़ी निर्माण हेतु 10-10 लाख रुपए प्रदान किया गया है। साथ ही पुजारी, पेरमा, गायता, सिरहा गुनिया को 7-7 हजार रुपए दिया जा रहा है। पंच और सरपंचों के वेतन में वृद्धि की गई है। उन्होंने लिफ्ट एरीगेशन की सुविधा से अब ग्रामवासियों को रागी, कोदो, कुटकी के उत्पादन में बेहतर कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि अब महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से अंडा का उत्पादन कर आंगनबाड़ी, सुपोषण केंद्रों, आश्रमों में दिया जा रहा है। साथ ही समूह की महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। इस अवसर पर मंत्री श्री लखमा ने कहा कि मुरुमपारा भूसारास में नए सुपोषण केंद्र, एवं आश्रम बनाये जाएंगे। इस मौके पर उपस्थित स्थानीय विधायक श्रीमती देवती महेंद्र कर्मा ने गोंडी में उदबोधन करते हुए ग्राम वासियों को बधाई दी। छत्तीसगढ़ पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री छबिंद्र महेंद्र कर्मा ने जिले में किये गए विकास कार्यों के बारे में आम जनता को अवगत कराया।

मिर्ची की लहलहाती फसल देख किसानों के चेहरे पर मुस्कान

मिट्टी बांध एवं नहर निर्माण से 200 हेक्टर में मिली रही सिंचाई की सुविधा

रायपुर । फसल देख किसानों के चेहरे पर मुस्कानखेत में लहलहाती फसलों को देख किसानों के चेहरे पर स्वाभाविक मुस्कान आ जाती है। ग्रीष्मकाल में सिचाई के लिए पानी मिले तो मेहनतकश किसान गर्मी के मौसम में भी खेत को हरभरा कर देते है। जशपुर जिले के बगीचा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत डुमरकोना में जोकारी नाला मिट्टी बांध एवं नहर निर्माण का कार्य वर्ष 2020-21 में मनरेगा के तहत कराया गया। जिसके फलस्वरूप रबी के मौसम में 50 हेक्टेयर खेत में मिर्च की फसल लहलहा रही है। गर्मी और बरसात दोनो सीजन में साग-सब्जी की अच्छी पैदावार होने के कारण किसानों को हर साल लाखों रूपए की आमदनी से उनके जीवन में खुशहाली एवं जीवन स्तर में सुधान आने लगा है।

जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार डुमरकोना में जोकारी नाला मिट्टी बांध एवं नहर निर्माण से ग्राम डुमरकोना के आस-पास के लगभग 200 हेक्टर कृषि भूमि की सिचाई की सुविधा मिलने लगी है। अब यहॉ के किसानों को रबी एवं खरीफ दोनो फसल का लाभ मिल रहा है। इससे किसानों की आमदनी बढ़ी है। साथ ही भू-जल स्तर में भी सुधार आया है। इस क्षेत्र की भूमि मिर्ची की फसल के अनुकूल है। जोकारी नहर निर्माण से सिचाई सुविधा मिल जाने से किसानो ने 50 हेक्टर भूमि पर मिर्च की फसल लगाई थी। जिससे किसानों की आमदनी बढ़ गयी है। आमदनी बढ़ने से किसनों में खुशहाली का माहौल है। गांव के किसान सर्वश्री भागीरथ प्रधान, सोन साय राम, रामप्रसाद यादव, राम कुमार यादव, संजय राम, लालमन मनी, बलवंत ने बताया कि गर्मी और बरसात दोनो सीजन में साग-सब्जी की अच्छी पैदावार होने के कारण किसानों को हर साल लाखों रूपए की आमदनी हो जा रही है। स्थानीय बाजारों में भी मिर्च, टमाटर, भिण्डी, लौकी, बरबटी का विक्रय करने से अच्छा खासा मुनाफा किसानों को प्राप्त हो रहा है। किसानों ने बताया कि बांध निर्माण होने से धान के रकबा में लगभग 25 हेक्टर की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि पहले भूमि असिंचित थी। बांध निर्माण होने से पूर्ण रूप से सिंचित हो गई है। परंपरागत धान की फसल का उत्पादन भी बढ़ गया है। अब मानसूनी बारीश का इंतजार नहीं करना पड़ता है। समय पर सिचाई हो जाती है। राज्य सरकार की नरवा, गरवा, घुरवा और बारी योजना की सराहना पूरे देश में हो रही है। साथ किसानों के हित में लिए गए निर्णय से राज्य के युवाओं की रूचि भी खेती-किसानी के प्रति बढ़ी है। खेती-किसानी को बढ़ावा देने के लिए सिंचाई सुविधा को बेहतर बनानें के लिए भी विशेष जोर दिया जा रहा है। जिसके तहत नए नालो का निर्माण और पुराने नालो का संवर्धन भी किया जा रहा है।

सीआईएसएफ ने किया ड्राइवर को गिरफ्तार, चोरी की आयरन प्लेट ले जाते पकड़ा

दुर्ग। भिलाई स्टील प्लांट के अंदर से वैध पास के तहत रिजेक्टेड ब्लूम (स्क्रैप) के बीच चोरी की आयरन प्लेट ले जाते ट्रेलर को सीआईएसएफ ने पकड़ा है। इसके बाद ट्रक सहित आरोपी को भट्ठी पुलिस के हवाले किया गया। पुलिस ने आरोपी खिलाफ मामला दर्ज किया है। भट्ठी टीआई बृजेश कुशवाहा ने बताया कि 27 अप्रैल को प्लांट के बोरिया गेट में रोज की तरह सीआईएसएफ की चेकिंग लगी हुई थी। रात 8 बजे के करीब प्लांट के अंदर से ट्रेलर सीजी 07 डेज सी 4565 वैध पास के तहत रिजेक्टेड ब्लूम ले जा रहा था। इस ब्लूम के नीचे उसने चोरी की आयरन प्लेट छिपाकर रखा था।

सीआईएसएफ ने जांच में जब आयरन प्लेट की बिल्टी मांगी तो ड्राइवर मो. हासिमुद्दीन (38 साल) उस लोहे को कोई भी वैध दस्तावेज नहीं पेश कर सका। इसके बाद सीआईएसएफ ने ट्रक के अंदर से 7 नग आयरन प्लेट कटिंग को जब्त किया। चोरी के लोहे का वजन 310 किलोग्राम कीमती 16430 रुपए बताया जा रहा है। चोरी का लोहा ले जा रहा ट्रेलर मेसर्स एचटीसी प्राईवेट कंपनी का है। इस कंपनी के संचालक इंद्रजीत सिंह का कहना है कि यह ट्रेलर उनके यहां अटैच में चल रहा था। इसके मालिक खुर्सीपार निवासी सत्येंद्र शर्मा हैं।

संपादकीय

स्वास्थ्य सुरक्षा का बढ़ेगा दायरा

सरकार आयुष्मान भारत का दायरा बढ़ाते हुए इसमें और 40 करोड़ लोगों को शामिल करने की सोच रही है। नैशनल हेल्थ अथॉरिटी (एनएचए) का गवर्निंग बोर्ड इसी महीने हुई एक बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे चुका है। यह महत्वाकांक्षी पहल आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना को विस्तार के अगले चरण में ले जाएगी। अभी 50 करोड़ से ज्यादा लोग (10.74 करोड़ परिवार) इस हेल्थ कवर के दायरे में हैं। ऐसे हर परिवार को योजना के तहत सालाना पांच लाख रुपये का हेल्थ कवर मिला हुआ है। जाहिर है, इसमें आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के परिवारों को शामिल करने पर जोर रहा है। अब नए चरण में थोड़ा बदलाव यह किया जा रहा है कि इस हेल्थ कवर को पूरी तरह फ्री न रखते हुए इसे कम कीमत पर उपलब्ध कराया जाएगा। इरादा ऐसे परिवारों को हेल्थ कवर उपलब्ध कराने का है, जो इसके लिए कुछ कीमत चुकाने की स्थिति में तो हैं, लेकिन रिटेल प्राइस अफोर्ड नहीं कर सकते। योजना के तहत इंश्योरेंस प्रीमियम में एक तिहाई से भी ज्यादा की कटौती की जाएगी ताकि वे परिवार भी इसका फायदा उठा सकें, जो अभी किसी मेडिकल इंश्योरेंस योजना से नहीं जुड़े हैं। ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं है। आंकड़ों के जरिए समझने की कोशिश करें तो आयुष्मान भारत योजना के तहत अभी आबादी के सबसे निचले 40 फीसदी हिस्से को हेल्थ कवर मिला हुआ है। अगर राज्य सरकारों की अलग-अलग योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और प्राइवेट इंश्योरेंस की विभिन्न स्कीमों को भी जोड़ लिया जाए तो कुल मिलाकर आबादी का करीब 70 फीसदी हिस्सा हेल्थ इंश्योरेंस के सुरक्षा दायरे में आ जाता है। मतलब यह कि देश की आबादी का 30 फीसदी हिस्सा अभी भी ऐसा है, जिसके पास स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से उबरने के लिए किसी भी तरह की वित्तीय सुरक्षा उपलब्ध नहीं है। आयुष्मान भारत योजना के अगले चरण में आबादी के इसी हिस्से के 40 करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें दो राय नहीं कि 2018 में शुरू किए जाने के बाद से इस योजना के हिस्से में आलोचनाएं भी काफी आई हैं। कुछ तो अमल से जुड़ी परेशानियों से उपजी थीं, जिन्हें धीरे-धीरे दूर किया गया और किया जा रहा है। एक बात यह भी कही जा रही थी कि चूंकि इसमें बने-बनाए ढांचे तक लोगों की पहुंच बनाने के इंतजाम पर जोर है, इसलिए स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार पर से सरकार का ध्यान हटेगा और योजना का लाभ मुख्यत- शहरी इलाकों तक सीमित रह जाएगा। पिछले पांच वर्षों में इसके व्यापक विस्तार को देखते हुए यह आशंका काफी हद तक समाप्त हो चुकी है। फिर भी याद रखना होगा कि स्वास्थ्य ढांचे के निरंतर विस्तार की जरूरत अपनी जगह बनी हुई है और उसकी भरपाई आयुष्मान भारत योजना के नेटवर्क विस्तार से नहीं होती।

विज्ञान शिक्षा और लैंगिक असमानता

(ऋतु सारस्वत)

कोई भी अर्थव्यवस्था तब तक विकास नहीं कर सकती, जब तक कि उसमें आधी आबादी की संपूर्ण भागीदारी न हो। इसलिए यह आवश्यक है कि महिलाओं के शिक्षण का स्वरूप बदला जाए, ताकि पारंपरिक लैंगिक पूर्वाग्रह को विश्व अर्थव्यवस्था के अगले दौर में पनपने से रोका जा सके। इस तथ्य के बावजूद कि हम पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए एक अधिक समान दुनिया बनाने का लंबा सफर तय कर चुके हैं, लैंगिकता का मुद्दा आज भी प्रासंगिक बना हुआ है।

इससे जुड़े पूर्वाग्रहों ने दुनिया के सामने अवांछित चुनौतियां खड़ी कर रखी हैं। विशेषकर बात जब महिलाओं की हो तो इनसे निपटना और भी मुश्किल हो जाता है। महिला सशक्तिकरण बीती शताब्दी से ही चर्चा और मंथन का विषय रहा है। सशक्तिकरण का स्वरूप कोई भी हो, उसकी बुनियाद शिक्षा के धरातल पर ही खड़ी होती है। शिक्षा का प्रत्यक्ष संबंध आर्थिक संबलीकरण से है। आत्मनिर्भरता 'नेतृत्व' और 'निर्णायक क्षमता' को बलवती करती है, जो सशक्तिकरण को प्रबल करने का सशक्त साधन है।

शिक्षा और रोजगार का गहरा संबंध है। चूंकि हर काल में समाज और देश की आवश्यकता के अनुरूप रोजगार के स्वरूप में परिवर्तन होता रहता है। इसलिए शिक्षा की प्रासंगिकता भी तभी होती है जब वह रोजगारोन्मुखी हो। देश में चौथी औद्योगिक क्रांति ने दस्तक दे दी है। अब भारत को लगभग पांच करोड़ तकनीक सक्षम कामगार तैयार करने होंगे। परंतु एक यक्ष प्रश्न यह है कि क्या इसमें महिलाएं भी अपनी जगह बना पाएंगी? क्योंकि भारत ही नहीं, दुनिया भर में महिलाओं की संभावनाएं, बुद्धिमत्ता और सृजनात्मकता भारी असमानता और पूर्वाग्रहों से घिरी हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक भविष्य में नब्बे फीसद नौकरियां ऐसी होंगी, जिसमें किसी न किसी रूप में सूचना और संचार तकनीक का ज्ञान जरूरी होगा।

स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) से जुडे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नौकरियों के अवसर पैदा हो रहे हैं। पर इस वास्तविकता के साथ इस सत्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि विश्व भर में स्टेम विषयों में सभी स्तरों पर एक लैंगिक विषमता की स्थिति कायम है। सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रगति के बावजूद दुनिया का ऐसा कोई कोना नहीं जहां व्यावहारिक स्तर पर लैंगिक रूढ़िवादिता जटिल रूप से मौजूद न हो। इस तथ्य की पुष्टि उन आंकड़ों से होती है जो यह बताते हैं कि दुनिया के दो

तिहाई से अधिक देशों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित जैसे विषयों में लड़कियों की हिस्सेदारी केवल पंद्रह फीसद है।

आमतौर पर यह रूढ़िगत मान्यता व्याप्त है कि कुछ खास कामों के लिए पुरुष ही योग्य होते हैं और तथाकथित रूप से विज्ञान और गणित जटिल विषय हैं, इसलिए यह महिलाओं के लिए नहीं हैं। जबकि यह सच नहीं है। विज्ञान एक 'विशिष्ट लिंग' के लिए नहीं है। लैंगिक अंतर विज्ञान के कारण नहीं, बल्कि सामाजिक मानदंडों की उपज है।

अमेरिका की फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध के मुताबिक लगातार ऐसा तर्क दिया जाता जा रहा है कि उच्च शिक्षा में विज्ञान विषयों में लैंगिक विषमता योग्यता को दर्शाती है, लेकिन जब लगातार छह वर्षों तक दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों की गणित में योग्यता की परीक्षा ली गई तो लड़के और लड़कियों ने समान रूप से प्रदर्शन किया। इस समानता के बावजूद लड़के खुद को गणित में बेहतर मानते हैं, जबकि लड़कियां स्वयं को कमतर मानती हैं। 'फ्रंटियर्स इन साइकोलाजी' में प्रकाशित यह शोध उस तथ्य की पुष्टि करता है जब निरंतर किसी व्यक्ति या समूह विशेष की क्षमता पर अविश्वास किया जाता है तो वह स्वयं ही यह स्वीकारने लगता है कि वह अक्षम है।

चार्ल्स डार्विन ने अपनी किताब 'द डिसेंट आफ मैन एंड सलेक्शन इन रिलेशन टु सेक्स' में लिखा था कि स्त्रियों और पुरुषों की क्षमता में बहुत अंतर होता है और पुरुष हर क्षेत्र में स्त्रियों के मुकाबले अधिक सफलता हासिल करते हैं। उनके मुताबिक इस अंतर का कारण स्त्रियों का पुरुषों की तुलना में जैविक रूप से कमतर होना है। लेकिन क्या यह तर्कसंगत है कि बिना किसी तथ्यात्मक और वैज्ञानिक सत्यापन के डार्विन का यह तर्क स्वीकार किया जाए। डार्विन की टिप्पणी उन सामाजिक परिस्थितियों की अवहेलना की परिणति है, जहां स्त्रियों को पुरुषों की तुलना में कम अवसर प्रदान किए गए और उनकी स्वतंत्रता को भी नियंत्रित किया गया।

आर्गनाइजेशन फार इकोनामिक कोआपरेशन एंड डवलपमेंट की ओर से साठ देशों में किए गए एक अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ कि अभिभावक भी लड़कियों को विज्ञान विषय लेने के लिए हतोत्साहित करते हैं। एक सत्य और भी है जिससे इनकार नहीं किया जा सकता, वह यह कि महिलाओं को कमतर दिखाने की प्रवृत्ति और विज्ञान को पुरुषों का विषय मानने वाले शोध भी पुरुषों द्वारा ही किए जाते रहे हैं।

ब्रिटिश विज्ञान पत्रकार एंजेला सैनी ने 'इनफीरियर- हाउ साइंस गाट वीमेन रांग एंड द न्यू रिसर्च दैट्स रीराइटिंग द स्टोरी' में लिखा भी है कि हम हमेशा से विज्ञान को तटस्थ मानते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि विज्ञान अधिकांशत पूर्वाग्रहों से भरा होता है क्योंकि वैज्ञानिक स्वयं पूर्वाग्रहों का शिकार होते हैं। जीवविज्ञान का कोई भी शोध यह सिद्ध नहीं कर सका है कि महिलाएं वह नहीं कर सकतीं, जो एक पुरुष कर सकता है।

चूंकि विज्ञान के क्षेत्र पर पुरुषों का प्रभुत्व है, इसलिए यह तथ्य निरंतर स्थापित करने की चेष्टा की जाती है कि महिलाएं विज्ञान की जटिलताओं के साथ सहज नहीं रह सकती। इस लिंगभेद को तोड़ना आसान नहीं है, क्योंकि हम में से अधिकांश के मस्तिष्क में बालपन से ही इस तरह के लिंगभेद वाली मानसिकता भर दी जाती है। एक अध्ययन के मुताबिक पांच वर्ष के बच्चे में भी यह समझ विकसित हो जाती है कि उसके लिंग (लड़का / लड़की) से क्या व्यवहार अपेक्षित है।

लैंगिक पूर्वाग्रह से लड़ना कभी भी आसान नहीं रहा। लेकिन प्रारंभिक शिक्षा के स्तर पर अगर शिक्षक और अभिभावक विज्ञान और गणित जैसे विषयों में लड़कियों की रुचि जागृत करें, तो संभवत स्थितियां बदल सकती हैं। यह तय है कि शिक्षकों के प्रशिक्षण में अभिनव और लैंगिक भिन्नताओं और जरूरतों को समझने वाली प्रौद्योगिकी में निवेश वर्तमान रुझान को बदल सकता है। दरअसल, यह पूरा प्रयास सामाजिक सोच के बदलाव के आग्रह पर निर्भर करता है। इसके लिए एक ऐसे वातावरण के निर्माण की आवश्यकता है जहां लड़कियां भविष्य की अग्रणी वैज्ञानिक व नवाचारी बनें और सर्वजन के लिए एक न्याय संगत और टिकाऊ भविष्य को आकार दें।

सच तो यह है कि कोई भी अर्थव्यवस्था तब तक विकास नहीं कर सकती, जब तक कि उसमें आधी आबादी की संपूर्ण भागीदारी न हो। इसलिए यह आवश्यक है कि महिलाओं के शिक्षण का स्वरूप बदला जाए, ताकि पारंपरिक लैंगिक पूर्वाग्रह को विश्व अर्थव्यवस्था के अगले दौर में पनपने से रोका जा सके। शैक्षिक प्रारूपों और उसमें निहित व्यवस्थागत बदलाव जहां अपनी भूमिका निभाएंगे, वहीं लड़कियों में आत्मविश्वास भी पैदा करेंगे।

ऐसी एक पहल हाल में वाशिंगटन डीसी के 'स्मिथ सोनियन म्यूजियम' में विज्ञान के क्षेत्र में महान योगदान देने वाली महिलाओं पर एक प्रदर्शनी आयोजित करके की गई। महिलाओं को प्रेरित करने के लिए यह प्रदर्शनी अमेरिका में विभिन्न स्थानों पर लगाने की भी योजना है, ताकि लोग जान सकें कि विज्ञान के क्षेत्र में मैरी क्यूरी जैसी महिलाएं भी हैं जिन्होंने अपना अभूतपूर्व योगदान दिया है।

हमारे लिए अब यह समझना आवश्यक हो जाता है कि विज्ञान और तकनीक से जुड़े विषयों और करियर विकल्प में महिलाओं और लड़कियों की संख्या बढ़ाना बेहद अहम है। इससे टिकाऊ विकास लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिल सकती है। वरना विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में महिलाओं की मौजूदगी के बिना दुनिया की रूपरेखा पुरुषों द्वारा पुरुषों के लिए ही तय की जाती रहेगी।

अदालतों के भारतीयकरण की जरूरत और फायदे

(हरबंश दीक्षित, विधि विशेषज्ञ)

भारत के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमणा ने एक बार फिर अदालती व्यवस्थाओं में सुधार पर चर्चा शुरू की है। उन्होंने कहा है कि यह ऐसे पवित्र मंत्रों की तरह न हो, जिसे समझा ही न जा सके। उन्होंने चिंता व्यक्त की है कि अदालती भाषा और प्रक्रिया आम आदमी के लिए इतनी दुरूह है कि वह उसे जानने के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है। इतना ही नहीं, इसका अंतहीन सिलसिला चलता रहता है और मुकदमे के समाप्त होते ही उसमें से ही दूसरे की शुरुआत हो जाती है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा है कि हमारी 5,000 साल पुरानी पारदर्शी और उन्नत अदालती व्यवस्था व्यापक अनुशंसा की थी। उसमें कहा गया था कि हर कानून में अनुसूची जोड़कर उसे स्थानीय भाषा में भी लिखकर शामिल किया जाए। उनका मत था कि इससे आम आदमी में कानून की समझ विकसित होगी और उसका भरोसा बढ़ेगा।

आज की स्थिति यह है कि सरकार और अदालतों की तमाम कोशिशों के बावजूद लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस समय 4.5 करोड़ से ज्यादा मामले लंबित चल रहे हैं। स्थिति इतनी भयावह है कि यदि एक भी नया मुकदमा दायर नहीं किया जाए, तब भी मौजूदा व्यवस्था में उन्हें निपटाने में 100 वर्ष लग जाएंगे। इसके लिए अपने यहां

होने के बावजूद अपने निर्णयों में विदेशी सिद्धांतों की मदद लेते हैं, जो आम आदमी की समझ में नहीं आता है।

वैदिक काल में अदालतों को सभा कहा जाता था। वे स्थानीय स्तर पर एक गांव या आसपास के कुछ गांवों के विवादों का निपटारा अपने स्तर पर कर देती थीं। न्यायिक व्यवस्था पर लोगों का भरोसा इस कदर था कि बहुत कम मुकदमे ऐसे होते थे, जिन्हें राजधानी में ले जाना पड़ता, जहां दो तरह की अदालतें होती थीं। राजा की अदालत सबसे बड़ी होती थी, किंतु उसके नीचे भी एक न्यायालय होता था, जिसमें एक न्यायाधीश तथा आम नागरिकों के बीच से लिए गए कुछ लोग होते थे, जिन्हें आज की भाषा में 'ज्यूरी' कहा जा सकता है। ज्यूरी विवेचक की भूमिका निभाते थे, जिन्हें कानून की कसौटी पर परखने के बाद न्यायाधीश निर्णय देते थे। राजा की अदालत में बहुत कम मामले पहुंचते थे, क्योंकि अधिकतर लोग निचली अदालत के निर्णय से संतुष्ट हो जाते थे।

वैदिक न्यायालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वहां आम नागरिक की भाषा इस्तेमाल होती थी। नियम-कानून भी ऐसे होते थे, जिन्हें आम आदमी समझ सकता था। उसे समझने के लिए किसी विशेषज्ञ की जरूरत नहीं थी। पूरी प्रक्रिया मुकदमे के पक्षकारों के ईद-गिर्द घूमती थी। इस समय सब कुछ ठीक उल्टा है। कानून की भाषा और अदालती प्रक्रिया ऐसी है कि उसमें वादी कहीं दूर बेचारा-सा खड़ा दिखाई देता है। न्यायाधीश, अधिवक्ता और जटिल कानून न्यायिक व्यवस्था के केंद्र में आ गए हैं। कानून को स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सुझाव भी आए, किंतु उसका क्रियान्वयन नहीं हो सका। मालिमथ समिति ने 2003 में दी गई अपनी रिपोर्ट में इस पर एक अच्छी पहल की गई थी। सन 2009 में संसद ने ग्राम न्यायालय अधिनियम के माध्यम से स्थानीय स्तर पर अदालतों की स्थापना के लिए कानून बनाया था, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं आए। इसके तहत देश में कुल आठ हजार न्यायालयों का गठन होना था, किंतु अब तक केवल 395 न्यायालयों की अधिसूचना जारी हो पाई है और उनमें से भी अधिकतर या तो निष्क्रिय हैं या आधे-अधूरे ढंग से काम कर रही हैं। यदि उन पर पर्याप्त ध्यान दिया जाए, तो नए मुकदमों की संख्या अपने आप कम हो जाएगी। हमारे वैदिक काल की अदालतों की एक विशेषता यह भी थी कि न्यायाधीशों की सत्यनिष्ठा असंदिग्ध हुआ करती थी। उनका पूरा जीवन समाज के सामने एक खुली किताब की तरह होता था।

वैदिक अदालतें न्याय करते समय तकनीकी या कानून के आधार पर ही नहीं, अपितु संदर्भ के अनुसार मध्यस्थता और समझौते का व्यापक प्रयोग करती थीं। ग्रामीण न्यायालयों के न्यायाधीशों को तो 'पंच' के ही पदनाम से आज भी संबोधित किया जाता है। मध्यस्थता की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि इसमें मुकदमे के दोनों पक्षों में से कोई हारता नहीं, अपितु दोनों ही पक्ष अपने आप को विजेता मानते हैं। दोनों संतुष्ट हो जाते हैं और अपील की जरूरत नहीं पड़ती। इसलिए ऊपर की अदालतों पर मुकदमों का बोझ नहीं बढ़ता है। हमारे पास इस समय सैद्धांतिक तौर मध्यस्थता, सुलह तथा पंचनिर्णय के विकल्प मौजूद हैं, किंतु उसका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। मुहिम चलाकर इसका प्रचार-प्रसार करने तथा अदालतों द्वारा उन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ट्विटर पर बदलाव की चहचहाहट

(प्रांजल शर्मा, डिजिटल नीति विशेषज्ञ)

माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर को टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने खरीद लिया है। ऐसा लगता है कि अरबपतियों का मीडिया कंपनियों को खरीदने और संचालित करने का यह दौर है। कुछ वर्ष पहले वाशिंगटन पोस्ट को अमेजॉन डॉट कॉम के जरिये अरबपति बनने वाले जेफ बेजोस ने खरीद लिया था। अलीबाबा के संस्थापक जैक मा भी साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मालिक हैं। मशहूर टाइम मैगजीन सेल्सफोर्स के सह-संस्थापक मार्क बेनीऑफ के हवाले है। एलन मस्क ट्विटर इंक को खरीदकर अब इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते दिख रहे हैं।

दरअसल, कोई भी कंपनी जब शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो जाती है, तब एक तरह से अपने संस्थापक के हाथों से निकल जाती है। जिस जैक डॉरसी के सिर ट्विटर को शुरू करने का सेहरा बंधा है, वह खुद आज इस कंपनी से बाहर हैं। कारोबार के लिहाज से भी पिछले कुछ वर्षों में ट्विटर इंक काफी बदल चुकी है। बोर्ड भी निवेशकों के हितों को तरजीह देता है। इसलिए किसी बड़े निवेशक के प्रस्ताव को वह नकार नहीं पाता और आमतौर पर कंपनी बेच दी जाती है। ट्विटर के साथ काफी हद तक यही हुआ है। अब जब ट्विटर को नया मालिक मिल चुका है, तब कयास यही लगाए जा रहे हैं कि आने वाले दिनों में इसमें ढेर सारे बदलाव होंगे। इसकी एक बड़ी वजह खुद एलन मस्क हैं, जो काफी समय से ट्विटर की नीतियों की मुखालफत करते रहे हैं। वह मानते हैं कि ट्विटर बहुत ही महत्वपूर्ण मंच है और देश-दुनिया को इसकी जरूरत है, लेकिन वह इसे सबके हाथों में पहुंचाना चाहते हैं। समाज और अर्थव्यवस्था के लिहाज से ट्विटर पर हर तरह के संवाद के वह पक्षधर हैं।

एलन मस्क ट्विटर पर किसी को प्रतिबंधित करने के भी खिलाफ हैं। वह ट्विटर की नीतियों को संकुचित मानते हैं और कहते रहे हैं कि यह मंच उपलब्धियों के जिस मुकाम को छू सकता है, उससे काफी पीछे है। वह इसकी एक बड़ी वजह ट्विटर द्वारा लोगों पर लगाई जाने वाली पाबंदियों को मानते हैं। वाकई, पिछले साल तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इसने अपने मंच से बेदखल कर दिया था। खुद को सुपरपावर कहने वाले अमेरिका के पदासीन राष्ट्रपति को इस तरह से प्रतिबंधित करने का यह मीडिया इतिहास का पहला उदाहरण था। एलन मस्क न सिर्फ ऐसे कृत्यों के विरोधी हैं, बल्कि 'फ्री स्पीच' यानी अभिव्यक्ति की आजादी के पैरोकार भी हैं। उनका मानना है कि ट्विटर संवाद का मंच बने, न कि लोगों को निर्देशित करने का।

इन सबको देखते हुए ही यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में ट्विटर सही और गलत से परे, सबको अपनी बात कहने का मंच मुहैया कराएगा। मुमकिन है कि इसके बाद संबंधित देशों (जहां उसका उपयोग हो रहा होगा) के कानून इस पर कहीं अधिक मजबूती से आयद होंगे। ट्विटर की नाफरमानी का ही नतीजा था कि नाइजीरिया जैसे देश ने इसे अपने यहां प्रतिबंधित कर दिया था और कुछ महीनों के लिए 'कू' को अपना लिया था। भारत में भी कू जैसे विकल्प आने के बाद ट्विटर के प्रति लोगों की रुचि कुछ कम होती दिखी है।

अगर फेसबुक, वाट्सएप, यू-ट्यूब जैसे मंचों से तुलना करें, तो सबसे कम उपयोगकर्ता ट्विटर के ही हैं, लेकिन इसका प्रभाव बाकी सबसे काफी ज्यादा है। यही वजह है कि भारत भी इन कंपनियों को देश में रहकर काम करने को कहता रहा है। विवाद के निपटारे के लिए चीफ कम्प्लाइंस ऑफिसर जैसे अधिकारियों की नियुक्ति करने पर वह हमेशा बल देता रहा है। मुमकिन है कि इस तरह की मांगें अब जल्द पूरी हो सकेंगी।

एलन मस्क ने कहा है कि रोबोट्स की मदद से चलाए जा रहे ट्विटर के अकाउंट बंद किए जाएंगे। इस तरह के अकाउंट्स सॉफ्टवेयर की सहायता से चलाए जाते हैं, जो किसी हैशटैग को देखकर खुद-ब-खुद उसे री-ट्वीट कर देता है। यह फर्जी अकाउंट से अलग होता है। इसी तरह, छद्म नामों का इस्तेमाल करके भी कुछ लोग अपना मतलब सीधा कर रहे हैं। एलन मस्क का मानना है कि जो व्यक्ति ट्विटर पर आए, वह मनुष्य हो, कोई स्वचालित मशीन नहीं। इसीलिए, यह भी कयास है कि निकट भविष्य में ट्विटर अकाउंट पर हमें केवाईसी (अपने ग्राहकों को जानो) कराने पड़ सकते हैं, जिसमें हम अपने राष्ट्रीय पहचान-पत्रों का इस्तेमाल करेंगे। अगर यह सब होता है, तो निस्संदेह ट्विटर उपयोगकर्ताओं की आपसी गाली-गलौज कम हो सकेगी, क्योंकि कोई नकाब ओढ़कर दूसरे से वाक्युद्ध नहीं कर सकेगा।

दक्षिणी प्रवेश द्वार पर फिर हिंदुत्व

खबरों की मानें, तो राज्य कार्यकारिणी की पिछली बैठक में इस पर चर्चा हुई और हिंदुत्व के एजेंडे को ही आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया। अपने लिंगायत वोट-बैंक को मजबूत करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री पिछले दिनों बेंगलुरु के सिद्धगंगा मठ भी गए थे, जहां उन्होंने शिवकुमार स्वामी की प्रतिमा पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। यह मौका भले ही स्वामीजी की जयंती का था, लेकिन इसने भाजपा की धर्म-आधारित रणनीति को साफ उजागर कर दिया।

(एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार)

कर्नाटक में विधानसभा चुनाव अभी साल भर दूर हैं, पर यहां एक बड़ी जीत हासिल करने के लिए भाजपा ने जमीन बनानी शुरू कर दी है। इसके लिए पार्टी ने बिना किसी लाग-लपेट के हिंदुत्व के अपने आजमाए फॉर्मूले को अपनाने का फैसला किया है। हाल ही में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के विधानसभा चुनावों में मिली सफलता से पार्टी में यह धारणा मजबूत हुई है कि इस तरह की सियासत का कर्नाटक संस्करण भी सफल हो सकता है।

खबरों की मानें, तो राज्य कार्यकारिणी की पिछली बैठक में इस पर चर्चा हुई और हिंदुत्व के एजेंडे को ही आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया। अपने लिंगायत वोट-बैंक को मजबूत करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री पिछले दिनों बेंगलुरु के सिद्धगंगा मठ भी गए थे, जहां उन्होंने शिवकुमार स्वामी की प्रतिमा पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। यह मौका भले ही स्वामीजी की जयंती का था, लेकिन इसने भाजपा की धर्म-आधारित रणनीति को साफ उजागर कर दिया।

विशेषकर दक्षिण कर्नाटक के कुछ हिस्सों में बड़े पैमाने पर ध्रुवीकरण और विकास संबंधी वायदों ने अब तक पार्टी को आगे बढ़ने में मदद की है। मगर अब इसका विस्तार पूरे राज्य में किया जाएगा, ताकि विधानसभा चुनाव में इसका लाभ लिया जा सके। भगवा परिवार (आरएसएस और उसके विभिन्न संगठन इसी का हिस्सा हैं, जिनका मुख्य ध्येय हिंदुत्व और उससे जुड़े राष्ट्रवाद को संरक्षित व प्रचारित करना है) इसके लिए दिन-रात काम कर रहा है।

इन सबका असर भी दिखने लगा है, क्योंकि कर्नाटक में अल्पसंख्यकों से जुड़े मसले तेजी से उठने लगे हैं। हिजाब, अजान, हलाल और हिंदू मंदिरों के बाहर मुस्लिम दुकानदारों के सामान बेचने से जुड़े विवाद इसी पृष्ठभूमि में देखे जाने चाहिए। इन मुद्दों को हवा देकर न सिर्फ यहां तनाव पैदा करने की कोशिश हुई, बल्कि शेष भारत पर भी इसका प्रभाव पड़ा है।

भाजपा निश्चय ही पिछले कुछ दशकों से योजनाबद्ध ढंग से

काम कर रही है। सूबाई सत्ता में आने का उसका पहला प्रयास जनता दल (सेक्युलर) के साथ पूरा हुआ था, जब 2007 में उसने एचडी कुमारस्वामी के साथ गठबंधन किया। मगर यह साथ लंबा नहीं चला। साल 2008 के चुनाव में बीएस येदियुरप्पा (भाजपा) मुख्यमंत्री चुने गए, लेकिन उन्हें बीच में ही पद छोड़ना पड़ा, क्योंकि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले दर्ज किए गए। खुद का दल बनाने के लिए उन्होंने पार्टी छोड़ दी, जो राज्य में भाजपा के लिए एक बड़ा झटका था। हालांकि, 2014 में वह फिर लौट आए और दो साल के भीतर ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बन गए। 2018 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को 104 सीटें मिलीं और वह नौ सीटों से बहुमत पाने से चूक गई। भाजपा सरकार महज तीन दिन चली, और जनता दल (एस) व कांग्रेस ने अप्रत्याशित गठबंधन करके सरकार का गठन कर लिया। मगर यह दोस्ती भी पहले दिन से ही डांवांडोल रही। इस चुनाव में कांग्रेस को 80 सीटें मिली थीं, मगर उसने जनता दल (एस) को समर्थन दिया, जिसके पास महज 37 विधायक थे।

गठबंधन में तनातनी बढ़ने के बाद कांग्रेस और जनता दल (एस) के करीब 20 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया। घृणित सियासी चालों के कारण 17 सीटों पर उप-चुनाव हुए और येदियुरप्पा एक बार फिर मुख्यमंत्री की कुरसी पर काबिज हुए। हालांकि, भाजपा उनसे संतुष्ट नहीं रही। उसने यह महसूस किया कि येदियुरप्पा उस तरह से हिंदुत्व पर जोर देने को तैयार नहीं थे। नतीजतन, उनको किनारे कर दिया गया और मुख्यमंत्री का ताज बीएस बोम्मई को सौंपा गया।

नई सरकार की कामकाजी क्षमता के बारे में कहने के लिए कुछ खास नहीं है, लेकिन बोम्मई के पदभार ग्रहण करने के बाद से कर्नाटक चर्चा में है। राज्य में एक के बाद दूसरा विवाद खड़ा हो रहा है, जिनमें काफी हद तक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा को लगता है कि इस ध्रुवीकरण के सहारे उसे 2023 के विधानसभा चुनाव में बहुमत मिल जाएगी और 2024 के लोकसभा चुनावों में भी पार्टी को फायदा होगा। वह सीधे-सीधे जनता दल (एस) की जगह छीन रही है, जिसकी अपील लगातार कम होती जा रही है। जनता दल (एस) की वोक्कालिगा समुदाय में गहरी पैठ रही है, जिनकी कुल मतदाताओं में 17 फीसदी हिस्सेदारी है। मैसूर और राज्य के अन्य प्रमुख जिलों के आसपास भी उसे समर्थन हासिल है। मगर लिंगायतों के बीच समर्थन जुटाने के बाद भाजपा की नजर इन वोटों पर है।

ऐसे में, इस बात की संभावना कम है कि जनता दल (एस) कोई कड़ा मुकाबला करेगा। लिहाजा, भाजपा से लड़ने की मुख्य जिम्मेदारी कांग्रेस पर ही है। हालांकि, 2018 की नाकामी के बाद भी कागज पर कांग्रेस के समर्थकों की कमी नहीं, लेकिन यह पार्टी खुद अपनी दुश्मन है। उसमें गुटबाजी खूब है और भाजपा को हराने की कोई ठोस रणनीति भी उसके पास नहीं दिखती। इसके नेता व पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 2018 में भाजपा से मुकाबले के लिए 'अहिंद' (अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों व दलितों के शुरुआती अक्षरों से बना कन्नड़ शब्द) आंदोलन चलाया था। वह आज भी खूब लोकप्रिय हैं, मगर पार्टी में उनके बराबर शिव कुमार हैं, जिनके पास भी समर्थकों को जुटाने की अच्छी क्षमता है। ये दोनों मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं।

हालांकि, भाजपा की अपनी चुनौतियां भी हैं। उसके पास बोम्मई जैसे अपेक्षाकृत कम लोकप्रिय नेता हैं। लिंगायत में पार्टी की अच्छी पैठ जरूर है, पर यह एक समान नहीं है। उत्तरी कर्नाटक में ही, जहां लिंगायत का वर्चस्व है, मुस्लिम अल्पसंख्यकों के साथ उसके बेहतर संबंध हैं, क्योंकि वे बासव (लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक) के सिद्धांतों का पालन करते हैं। दलितों के बीच अब भी कांग्रेस का आधार बचा है। हालांकि, भाजपा के पास विकास का मुद्दा भी होता है, जिस संदर्भ में देखना दिलचस्प होगा कि चुनाव में उसे इसका कितना फायदा मिलता है। बहरहाल, धार्मिक ध्रुवीकरण का उसे उत्तर भारत में फायदा मिला है। कर्नाटक में भी वह इसे आजमाना चाहती है, जिसे दक्षिणी राज्यों का प्रवेश द्वार माना जाता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

ऐसे कर सकते हैं कंधे के दर्द का इलाज

24 वर्षीय प्रशांत ऐसी कंपनी में नौकरी करते हैं, जहां उन्हें घंटों कुर्सी पर बैठकर लैपटॉप पर काम करना होता है। नतीजा, शाम होते-होते उसकी गर्दन और कंधें में दर्द होने लगता है। कभी-कभी तो दर्दनिवारक (पेनकिलर दवा) का सहारा लेना पड़ता है, लेकिन इसके तमाम साइड इफेक्ट्स हैं। यह दिक्कत अकेले प्रशांत की नहीं है। दिनभर घर में काम करने वाली गृहणियों की भी रात होते-होते यही स्थिति हो जाती है। घंटों किताबों में घुसकर पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स भी कंधे के दर्द से जूझते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कंधे का दर्द तीसरा सबसे आम दर्द है और 70 प्रतिशत केस में यह जीवन भर बना रहता है। कंधे का जोड़ मानव शरीर के सबसे जटिल जोड़ों में से एक है। कंधे में चोट या इसे जोड़ने वाली किसी हड्डी में चोट के कारण दर्द उत्पन्न हो सकता है। कंधों मजबूती और बेहतरी के लिए उपयोगी तीन योगासन :

केट पोज (मार्जरी आसन)

- योगा मैट पर दोनों घुटनों को टेक कर बैठ जाएं।
- अब दोनों हाथों को फर्श पर आगे की ओर रखें।
- दोनों हाथों पर वजन डालते हुए अपने हिप्स (कूल्हों) को ऊपर उठाएं।
- जांघों को ऊपर की ओर सीधा करके पैर के घुटनों पर 90 डिग्री का कोण बनाए।
- इस स्थिति में छाती फर्श के समान्तर होगी और आप एक बिल्ली के समान दिखाई देगें।
- अब लंबी सांस लें और सिर को पीछे की ओर झुकाएं और रीढ़ की हड्डी का निचला भाग ऊपर उठाएं।
- सांस को बाहर छोड़ते हुए अपने सिर को नीचे की ओर झुकाएं और मुंह की ठुड्डी को छाती से लगाने का प्रयास करें। हाथ झुकने नहीं चाहिए।
- सांस को लम्बी और गहरी रखें। फिर से अपने सिर को पीछे की ओर करें और इस प्रक्रिया को 10 बार दोहराहएं।

धनुरासन

- पेट के बल लेट जाएं।
- अब घुटनों को मोड़ें और अपनी एड़ियों को पकड़ें। ऐसा करते हुए सांस लें।
- यदि कंधे में दर्द होता है, तो रुकें और धीरे-धीरे प्रारंभिक स्थिति में लौटें। यदि नहीं, तो श्वास लें और अपनी छाती को जमीन से ऊपर उठाएं।
- अपनी छाती को उतना ही ऊपर उठाएं जितना आरामदायक हो, और फिर सिर को ऊपर करते हुए आसमान की ओर देखने की कोशिश करें।
- 15 से 20 सेकंड के लिए इस स्थिति में रहें। सांस अंदर-बाहर करते रहें।
- आराम से कई बार दोहराएं, लेकिन पांच बार से अधिक नहीं।

केमल पोज (उष्ट्रासन)

- योग चटाई पर घुटने टेकें। अपने घुटनों में कम से कम 6 इंच की दूरी रखें।
- अब अपने हाथों को अपनी पीठ पर रखें, अपने कूल्हों के ठीक ऊपर ताकि आप अपनी पीठ के निचले हिस्से को सहारा दे सकें।
- श्वास लें और पीछे की ओर झुकना शुरू करें। ऐसा करते ही अपना सीना खोल दें।
- अपने हाथों को अपनी पीठ पर ले जाएं और अपनी एड़ियों तक पहुंचने का प्रयास करें।
- यदि आप अपने कंधों या पीठ में असुविधा महसूस करना शुरू करते हैं, तो रुकें और धीरे-धीरे प्रारंभिक स्थिति में लौट आएं।
- यदि आराम से कर पा रहे हैं, तो अपनी पीठ को झुकाना जारी रखें और तब तक झुकें जब तक आप अपनी टखनों को पकड़ न सकें।
- इस मुद्रा को जितनी देर तक आप कर सकते हैं, पकड़ने की कोशिश करें, लेकिन 30 सेकंड से अधिक नहीं।
- आपको अपने कंधों में हल्का खिंचाव महसूस करना चाहिए। सांस अंदर-बाहर करते रहें।

ध्यान रहे

कंधे में कोई चोट लगी है या लंबे समय से दर्द है तो पहले डॉक्टर को दिखाएं। ये योगासन उन लोगों के लिए है, जिनके कंधे स्वस्थ्य हैं, लेकिन काम का ज्यादा बोझ पड़ने पर दर्द होता है। इन योगासन को नियमित करने से कंधे और इनकी मांसपेशियां मजबूत होंगी और एक दिन दर्द से निजात भी मिल सकती है।

परीक्षाओं को देखते हुए बच्चों की खान-पान सामग्री में करें बदलाव, तरोताजा होगा दिमाग

परीक्षाओं का समय आ गया है। बोर्ड की परीक्षाएँ शुरू हो चुकी हैं। परीक्षाओं के कारण बच्चों का ध्यान अपने खान पान से हटकर सिर्फ परीक्षा को उतीर्ण करने की ओर चला जाता है। बच्चे पढ़ाई में इतने गुम हो जाते हैं कि खाने-पीने का ध्यान ही नहीं रहता, जिसका परिणाम कभी-कभी उन्हें परीक्षा के दौरान ही भुगतना पड़ जाता है। मन लगाकर ज्यादा देर तक पढ़ाई करने के लिए बच्चों के लिए एक अच्छी डाइट बेहद जरूरी है।

हैवी नाश्ते से करें शुरूआत

दिन की शुरुआत भारी और स्वस्थ नाश्ते के साथ करें। आप बच्चों के नाश्ते में जई, मुसेली, उपमा, खिचड़ी, इडली और ग्लूकोज को शामिल कर सकते है, ये सभी कम ग्लाइसेमिक का विकल्प हैं। दें दूध और बादाम, बाहर के खाने से मना दूध पीना हमेशा से फायदेमंद रहा है। दूध में विटामिन कैल्शियम, मैग्निशियम और पोटैशियम की मात्रा पाई जाती है। यह सभी पोषक तत्व याद्दाश्त बढ़ाने में मदद करते हैं। तेज मेमोरी के लिए रात में बादाम भिगोकर रखें और रोजाना सुबह बादाम का सेवन करें। आप चाहें तो बादाम के साथ अंजीर भी भिगोकर रख सकते हैं। साथ ही, परीक्षा के दौरान बच्चों को बाहर का खाना खाने ना दें। इससे बच्चों में संक्रमण होने का खतरा बढ़ सकता है। जितना संभव हो सके बाहर के खाने से बचें। कोशिश करें कि रेस्तरां का खाना ना खाएं।

चाय कॉफी के स्थान पर दें मछली, गाजर

अधिक कैफीन वाली चीजों से बच्चों को दूर रखे। परीक्षा के दौरान बच्चे बहुत ज्यादा कॉफी, चाय और कोला पीना चाहते हैं, लेकिन उन्हें ऐसी चीजें देने से बचें, जिसमें कैफीन हो। उनके खाने में विटामिन को शामिल करें। परीक्षा के तनावपूर्ण समय के दौरान पानी में घुलनशील कुछ विटामिन जैसे विटामिन बी कॉम्प्लेक्स और सी शरीर के लिए आवश्यक होते है। ये मूल रूप से हमें तनाव से लडने में मदद करते हैं। ब्राउन चावल, मेवा, ताजा सब्जियों और फलों का सेवन करें। प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थ दें। अंडे, मछली, गाजर, कद्दू, हरी पत्तेदार सब्जियां, ताजे फल विटामिन ए, सी और ई की कमी को पूरा करते हैं, साथ ही, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं और परीक्षा के दौरान बच्चों को बीमार नहीं पडने देते।

एक साथ नहीं अपितु थोड़ा-थोड़ा दें

एक साथ खिलाने की बजह आप बच्चों को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कुछ-कुछ खाने को दें। उन्हें थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पौष्टिक आहार दें, ये उन्हें सतर्क और चुस्त रखेगा। भारी मात्रा में भोजन करने से बच्चों को नींद और सुस्ती आ सकती है। पौष्टिक आहार में ताजे फल, सूखे मेवे, शहद, सूप और सलाद आदि बेहतर विकल्प हैं।

जरूर खिलाएँ मछली

बच्चे की मेमोरी शार्प करने के लिए आप बच्चे को मछली खिलाएं। मछली में मुख्य रूप से ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो स्मृति बढ़ाने में मदद करता है। अगर बच्चा मछली नहीं खाता है तो अलसी के बीज, कद्दू के बीज, तिल के बीज और सोयाबीन दें।

जूस पिलायें

खाने में हाइड्रेटेड के स्त्रोतों को शामिल करें। बच्चों को ताजा फलों के रस, छाछ या नींबू पानी या नींबू का रस और ग्रीन टी दें।

दें प्रोटीन वाली खाद्य सामग्री

प्रोटीन ऊर्जा का एक अच्छा और स्रोत है। इसलिए खाने में प्रोटीन के स्रोत जैसे- अंडा, पोहा, इडली, डोसा, ढोकला आदि शामिल करें। ये रक्त और मस्तिष्क में टाइरोसीन (एमिनो एसिड) को बढ़ाता है, ये तंत्रिका कोशिकाओं के निर्माण में भी मदद करता है। साथ ही, बच्चों को सतर्क और सक्रिय बनाए रखने में भी सहायक है।

जंक फूड और चॉकलेट से बनाएं दूरी

बच्चे को बहुत अधिक चीनी और मीठी चीजे ना दें। चॉकलेट, कुकीज आदि रक्त में शर्करा के स्तर को बढ़ा सकते है। ऐसे में पेट खाली सा लगता है और जल्दी-जल्दी भूख लगने लगती है। बच्चे को जंक फूड का भी सेवन नहीं करने दे।

चम्मच नहीं हाथ से खाना खाएं, रहेंगे स्वस्थ

खाना खाने के लिए कुछ लोग अपना खाना हाथों से खाना पसंद करते हैं। सके पीछे के कारण केवल सदियों से चली आ रही परंपरा ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य लाभ भी हैं।

कई भारतीय परंपराएं आज नहीं अपनाई जाती लेकिन इनके कई फायदे होते हैं। इन परंपराओं में से एक है हाथों से खाना खाना। इसे अब बदल दिया गया है और खाना खाने के लिए कटलरी का उपयोग किया जाता है। हालांकि लोगों ने भले ही खाना खाने के लिए चम्मच और कांटे उठा लिए हैं लेकिन फिर भी कुछ लोग अपना खाना हाथों से खाना पसंद करते हैं। इसके पीछे के कारण केवल सदियों से चली आ रही परंपरा ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य लाभ भी हैं। वहीं मॉर्डन जमाने में जहां लोगों को खुद के स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है ऐसे में अपनी परंपराओं को अपनाना सही फैसला साबित हो सकता है। हाथों से खाना खाने से ब्लड सरक्यूलेशन बढ़ता है। हाथों से खाना एक तरह की मसल्स की एक्सरसाइज है। हाथों को बार-बार हिलाने से ब्लड सरक्यूलेशन सही रहता है। हाथों से खाना खाने से पाचन ठीक रहता है। हमारे शरीर में बैक्टीरिया खाना पचाने में मदद करते हैं जो हाथ, मुंह, गले, आंत और आंत जैसी जगहों पर रहते हैं। जब हम हाथों से खाते हैं तो हम बाहर से आने वाले हानिकारक जीवाणुओं से बच जाते हैं। इसके लिए जरूरी है कि खाना खाने से पहले और बाद में हाथ धोएं। हाथों से खाने से आप ये जान पाते हैं कि आप कितना खा रहे हैं। चम्मच से खाने पर इस बात का अंदाजा नहीं होता की कितना खा रहे हैं। ऐसे में हाथ से खाने पर खाने का स्वाद ज्यादा ले सकते हैं और अपने खाने को भी नियंत्रित कर सकते हैं।

कोरोना ने बढ़ाई टेंशन, मरीजों में बुखार-खांसी से हटकर त्वचा पर दिख रहे ये 3 अजीब लक्षण

कोरोना वायरस का प्रभाव केवल श्वसन प्रणाली तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह आपके संपूर्ण स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। विभिन्न श्वसन लक्षण पैदा करने के अलावा, यह शरीर के विभिन्न हिस्सों को भी प्रभावित कर सकता है, जिसमें शरीर का सबसे बड़ा अंग त्वचा भी शामिल है।

कोरोना वायरस ने भारत में एक बार फिर टेंशन पैदा कर दी है। पिछले कुछ दिनों से देश में नए मामलों की संख्या दो हजार से ज्यादा आ रही है। इसे कोरोना की चौथी लहर के रूप में देखा जा रहा है। यूरोप और एशिया के कई देशों में कोरोना ने पहले से ही तबाही मचाई हुई है। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए कई राज्यों में कोरोना से जुड़े नियमों को फिर से लागू कर दिया गया है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने चेतावनी दी है कि भारत में ओमीक्रोन बीए2 वेरिएंट के मामले बढ़ रहे हैं। इस वेरिएंट में मूल ओमीक्रोन से ज्यादा तेजी से फैलने की क्षमता है। चिंता की बात यह है कि कोरोना के कुछ लक्षण भी बदले हैं। अब सिर्फ बुखार, खांसी या जुकाम आदि कोरोना के लक्षण नहीं रह गए हैं। कोरोना वायरस का प्रभाव केवल श्वसन प्रणाली तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह आपके संपूर्ण स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। विभिन्न श्वसन लक्षण पैदा करने के अलावा, यह शरीर के विभिन्न हिस्सों को भी प्रभावित कर सकता है, जिसमें शरीर का सबसे बड़ा अंग त्वचा भी शामिल है। बुखार, खांसी, जुकाम, गले में खराश जैसे लक्षणों के अलावा त्वचा में दिखने वाले लक्षणों को समझना भी जरूरी है।

त्वचा को कैसे प्रभावित करता है कोरोना

बुखार, गले में खराश, थकान या नाक बहना कोरोना के कुछ क्लासिक लक्षण हैं। हालांकि वैज्ञानिकों और त्वचा विशेषज्ञों का मानना है कि कोरोना त्वचा को प्रभावित कर सकता है, जिससे त्वचा से जुड़े कई लक्षण महसूस हो सकते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कोरोना वायरस ह्यूमन एंडोथेलियल सेल्स को संक्रमित कर सकता है, जिससे त्वचा में सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस हो सकता है, जिससे त्वचा की समस्याएं हो सकती हैं।

कोविड डिजिट का खतरा

कोरोना के मरीजों में कोविड डिजिट सबसे आम त्वचा की स्थिति में से एक है। इस स्थिति में पैर की उंगलियों और अंगूठे में कोमल सूजन हो जाती है और प्रभावित हिस्से का रंग बैंगनी हो सकता है। कुछ मामलों में त्वचा का रंग हल्का गहरा या थोड़ा गहरा / भूरा / काला हो सकता है। यह आमतौर पर संक्रमण की शुरुआत के कुछ समय बाद दिखाई देता है और 12 सप्ताह से अधिक समय तक बना रह सकता है।

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

कोविड डिजिट होने पर पैर की उंगलियों में रंग बदलना और सूजन पैदा हो सकती है। इसमें मरीज को प्रभावित हिस्सा बैंगनी या गहरे रंग का हो सकता है। कई लोगों को यह चिलब्लेन्स जैसा हो सकता है, यह एक ऐसी स्थिति जो आमतौर पर ठंडे महीनों में होती है।

चकत्ते भी हैं कोविड इन्फेक्शन का संकेत

कोरोना के मरीजों में कई अन्य त्वचा से जुड़े विकार देखने को मिल सकते हैं। इनमें खुजलीदार दाने जिसमें छोटे गांठ और कांटेदार गर्मी जैसे छाले होते हैं। इसे पित्ती के रूप में भी जाना जाता है। इस तरह के दाने कुछ ही घंटों में अचानक प्रकट होते हैं और अपने आप दूर हो सकते हैं।

पिट्रियासिस रसिया का भी खतरा

मरीजों में एक त्वचा से जुड़ा एक अन्य विकार भी नजर आ सकता है जिसे पिट्रियासिस रसिया के नाम से जाना जाता है। यह एक एकल, बड़े लाल पैच के साथ शुरू होता है, कुछ दिनों बाद ट्रंक पर कई छोटे लाल / गहरे पैच होते हैं, जो आमतौर पर बहुत खुजली नहीं करते हैं। इसमें त्वचा का रंग गहरा, भूरा या काला हो सकता है।

हार्ट की बीमारी से बचना चाहते हैं तो करें ये योगासन

अब योगासन के फायदे किसी से छिपे नहीं है, लेकिन एक सवाल कई बार उठा कि क्या प्राचीन स्वास्थ्य पद्धति से हार्ट को भी सेहतमंद रखा जा सकता है और यदि हाँ तो कौन-कौन से योगासन किए जाने चाहिए? इसका उत्तर तलाशने के लिएहार्वर्ड मेडिकल स्कूल ने शोध किया और विभिन्न परीक्षणों तथा अध्ययनों से डेटा जुटाकर समीक्षा की। इन शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग किसी भी तरह का व्यायाम नहीं करते हैं, उनकी तुलना में योगासन करने वाले स्वस्थ रहते हैं।

इन योग करने वालों का बॉडी मास इंडेक्स, लोअर सिस्टोलिक ब्लडप्रेशर, लोअर डायस्टोलिक ब्लडप्रेशर और लोअर कोलेस्ट्रॉल स्तर नियंत्रित रहता है। यही नहीं, हाल ही में ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन ने भी कहा है कि जिन लोगों को हार्ट संबंधी बीमारियां हैं, उनके लिए योग फायदेमंद है। इसका कारण यह बताया गया है कि नियमित योग करने से तनाव घटता है और डिप्रेशन का कम होना कार्डिअक सर्जरी करवा चुके मरीजों के लिए फायदेमंद है।

उत्थित त्रिकोणासन

- सबसे पहले ताड़ासन की मुद्रा में खड़े हो जाएं और श्वास अंदर लें। पैरों के बीच 3 से 4 फीट की दूरी रखें।
- दाहिने पैर को बाहर और बाएं पैर को थोड़ा अंदर की ओर मोड़ें।
- हाथों को कमर पर रखें और कूल्हे से झुकें। धड़ को मोड़ने या कूल्हे को पीछे किए बिना दाहिने कूल्हे को अपने दाहिने पैर के करीब लाने की कोशिश करें।
- इतना करने के बाद अपने दाहिने हाथ को फर्श की तरफ लाएं और बाएं हाथ को छत की तरफ उठाएं।
- सीधे आगे देखें। यदि आप कर सकते हैं तो छत की ओर देखने के लिए अपना सिर घुमाएं।
- कम से कम 30 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें। पूरे पोज में अपनी छाती को खोलने की कोशिश करें।
- शुरुआती स्थिति पर लौटें। दूसरी तरफ दोहराने से पहले कुछ सेकंड के लिए आराम करें।

पश्चिमोत्तानासन

- चटाई पर बैठ जाएं और पैरों को सामने फैला लें।
- दोनो हाथों को ऊपर उठाएं। उंगलियां छत की ओर रखें।
- सिर को घुटनों के करीब लाने के लिए कमर झुकाएं।
- हाथों से पंजों को पकड़ने की कोशिश करें। यदि यह संभव नहीं है तो अपने टखनों या पिंडलियों को पकड़ें।
- ऊपरी शरीर रिलेक्स रखें और सांस लेते हुए पैरों के खिंचाव को महसूस करें।
- कम से कम 30 सेकंड के लिए इस मुद्रा में रहें, फिर धीरे-धीरे हाथों को ऊपर ले जाएं।
- सामान्य स्थिति में आएं और कुछ सेकंड आराम करने के बाद दोहराएं।

अर्धमत्स्येन्द्रासन

- चटाई पर बैठें और घुटनों को मोड़ें। दाएं घुटने को चटाई पर रखें और दाएं पैर को अपने बाएं कूल्हे के करीब लाएं।
- अपने बाएं टखने को दाहिने घुटने के पास लाने की कोशिश करें।
- यह सुनिश्चित करते हुए कि कूल्हे चटाई पर ही टिक रहें, बाएं हाथ को ऊपर की ओर उठाएं। अब, इसे वापस लें और अपने हाथ को अपने कूल्हे के पीछे चटाई पर रखें।
- दाहिने हाथ को उपर उठाएं। अब, इसे बाईं बाहरी जांघ पर कम करें क्योंकि आप बाईं ओर का सामना करते हैं।
- यदि आप कर सकते हैं, तो अपने पीछे देखने के लिए अपनी गर्दन को घुमाएं।
- इस मुद्रा को 1 मिनट तक रखें।
- प्रारंभिक स्थिति पर लौटें और दूसरी तरफ दोहराएं।

गोमुखासन

- दोनों पैरों को सामने सीधे एड़ी-पंजों को मिलाकर बैठ जाऐं। हाथ कमर से सटे हुए और हथेलियां भूमि टिकी हुई। नजर सामने।
- बाएं पैर को मोड़कर एड़ी को दाएं नितम्ब के पास रखें। दाहिने पैर को मोड़कर बाएं पैर के ऊपर एक दूसरे से स्पर्श करते हुए रखें। इस स्थिति में दोनों जांघें एक-दूसरे के ऊपर राखी जाएगी जो त्रिकोणाकार नजर आएंगी।
- सांस लेते हुए दाहिने हाथ को ऊपर उठाकर दाहिने कंधे को ऊपर खींचते हुए हाथ को पीछे पीठ की ओर ले जाएं तब बाएं हाथ को पेट के पास से पीठ के पीछे से लेकर दाहिने हाथ के पंजें को पकड़े। गर्दन व कमर सीधी रखें।
- दूसरी ओर से इसी प्रकार करें। जब तक इस स्टेप में आराम से रहा जा सकता है तब तक रहें।

सेतु बंधासन

- पीठ के बल लेट जाएं, सामान्य गति से सांस लेते रहें।
- हाथों को बगल में रखें और धीरे-धीरे अपने पैरों को घुटनों से मोड़कर हिप्स के पास ले आएं।
- हिप्स को जितना हो सके फर्श से ऊपर की तरफ उठाएं। हाथ जमीन पर ही रहेंगे।
- कुछ देर के लिए सांस को रोककर रखें।
- इसके बाद सांस छोड़ते हुए वापस जमीन पर आएं। पैरों को सीधा करें और विश्राम करें।
- 10-15 सेकेंड तक आराम करने के बाद फिर से शुरू करें।

खालिस्तान पर सुलगा पटियाला : एसएचओ घायल

खालिस्तान विरोधी मार्च पर सिख और हिंदू संगठन भिड़े; फायरिंग, पत्थर और तलवारें चलीं

पटियाला

पटियाला में शुक्रवार को खालिस्तान विरोधी मार्च पर सिख और हिंदू संगठन आमने-सामने आ गए। हिंदू संगठन मार्च निकालने की तैयारी में थे। इसी दौरान कुछ सिख संगठन इनका विरोध करने लगे। इस वजह से माहौल इतना बिगड़ गया कि दोनों पक्षों के बीच पथराव हो गया। इस बीच एसएचओ को हाथ में चोट लग गई। इसके बाद हालात संभालने के लिए स्स्क ने हवाई फायरिंग की। फिलहाल यहां माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। पुलिस ने सिख संगठनों को प्रदर्शन करने और हिंदू संगठनों को मार्च निकालने से रोक दिया है। मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। पुलिस ने एहतियातन पटियाला के काली माता मंदिर को ताला लगाकर बंद कर दिया है।

खालिस्तान का पुतला जलाने पर हुआ विवाद:- यहां शिवसेना ने खालिस्तान के खिलाफ पुतला फूंक प्रदर्शन की तैयारी की थी। इसका पता चलते ही खालिस्तान

समर्थकों ने विरोध शुरू कर दिया। वहां पर पुलिस ने उन्हें रोक लिया और वापस भेज दिया। हालांकि सिख संगठनों के सदस्य काली माता मंदिर में तलवारें लेकर पहुंच गए। यहां दोनों पक्षों के बीच जमकर ईंट-पत्थर चले।

भीड़ के हमले में जख्मी हुए एसएचओ

इस दौरान एसएचओ करनवीर ने सिख प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की तो उनका हाथ जख्मी हो गया, जिसके बाद एसएसपी नानक सिंह मौके पर पहुंचे। हालात संभालने के लिए उन्होंने हवाई फायरिंग की। इसके बाद माहौल पर काबू करने की कोशिश की जा रही है। हिंदू संगठन के नेता हरीश सिंगला ने कहा कि पंजाब पुलिस और आम आदमी पार्टी की सरकार को इन लोगों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, जसविंदर सिंह राजपुरा ने कहा कि सिख संगठनों ने कई दिन से अपील की थी कि कुछ संगठन सिख राज के खिलाफ माहौल खराब कर रहे हैं। प्रशासन को चाहिए था कि इन लोगों को गिरफ्तार करते, ताकि माहौल खराब न हो।

हाथ कटने की खबरों को दिल्ली ने नकारा

इस दौरान कुछ खबरें चलने लगी कि सिख प्रदर्शनकारियों ने एसएचओ का हाथ काट दिया। हालांकि पटियाला के डीसी ने इसका खंडन करते हुए कहा कि यह निराधार है। उन्होंने ऐसी अफवाहें न फैलाने को कहा।

स्थिति कंट्रोल में, अफवाहों पर ध्यान न दें : राकेश अग्रवाल

पटियाला रेंज के ढ्ढत्र राकेश अग्रवाल ने कहा कि हालात अब कंट्रोल में हैं। किसी ने अफवाह फैला दी थी, जिसकी वजह से दोनों पक्षों में मनमुटाव हो गया था। एसएचओ का हाथ काटने की बात भी अफवाह है। स्थिति को पूरी तरह शांत करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि मौके पर स्थिति संभालने के लिए पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी।

फिर डराने लगा कोरोना

देश में एक दिन में 60 की जान गई, 24 घंटे में डेढ़ गुना बढ़ी मौतें; नए केस भी बढ़े

नई दिल्ली

देश-दुनिया में कोरोना की रफ्तार फिर बढ़ती जा रही है। भारत में कोरोना से 28 अप्रैल को 60 लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा पिछले दिन के मुकाबले डेढ़ गुना है। महामारी की शुरुआत से अब तक देश में कुल 5.23 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 3,377 नए मामले दर्ज किए गए, जबकि 2,496 लोग डिस्चार्ज हुए। एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे लोगों की संख्या भी 17,801 पर पहुंच गई है। बीते दिन कोरोना के लिए 4.73 लाख सैंपल टेस्ट किए गए। इससे पहले, गुरुवार को 3,303 और बुधवार को 2,937 नए मामले दर्ज किए गए थे

यूपी में 2 मई को 75 जिलों में जांच अभियान:- उत्तरप्रदेश में 2 मई कोरोना की वापसी चौथी लहर से बचाव के लिए विशेष मॉकड्रिल के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं को परखा जाएगा। इसमें कोविड मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने से लेकर इलाज शुरू करने के दौरान लगने वाले वक्त और बचाव के इंतजामों को दुरुस्त किया जाएगा। 2 मई को मेरठ सहित पूरे प्रदेश के सभी 75 जिलों में मेडिकल और जिला अस्पताल सहित सीएचसी, पीएचसी सहित सभी कोविड सेंटर्स पर यह मॉकड्रिल होगी।

दुनिया में बढ़ रहा कोरोना का खतरा

कोरोना के बढ़ते मामले भारत के साथ कई देशों के लिए चिंता का सबब बने हुए हैं। जर्मनी में एक दिन में दुनियाभर में सबसे ज्यादा नए केस सामने आए। यहां गुरुवार को 1.24 लाख नए केस मिले, जबकि 25 अप्रैल को 86,980 नए केस सामने आए थे।

अमेरिका में नए मामले 28 फीसदी बढ़े

अमेरिका में 25 अप्रैल को 45,091 नए केस आए, जबकि 28 अप्रैल को यहां 57,985 केस मिले थे। इस लिहाज से नए मामलों में 28त्न की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति के मेडिकल एडवाइजर डॉ. एंथनी फॉसी ने बुधवार को कहा कि अमेरिका से महामारी अभी गई नहीं है और हमें सावधान रहना होगा।

बीजिंग में स्कूल बंद, शादी-अंतिम संस्कार पर रोक

सवा दो करोड़ की आबादी वाले चीन के बीजिंग में सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। यहां शादी और अंतिम संस्कार पर भी रोक लगा दी गई है। बीजिंग में दो करोड़ लोगों की कोरोना जांच का अभियान शुरू किया गया है। चीन के ही शंघाई में गुरुवार को 10 हजार नए केस आए। उधर, एशिया के एक दिन में सबसे 57 हजार से ज्या केस दक्षिण कोरिया में दर्ज हुए हैं।

WHO का कहना है कि कोरोना का अगला वैरिएंट चिंता का कारण हो सकता है। WHO की महामारी विशेषज्ञ डॉ. मारिया वान केरखोव ने कहा- वर्तमान में दुनिया भर में सबसे अधिक मामले ओमिक्रॉन के ही हैं। साथ ही साथ इसके सबवैरिएंट बीए.4, बीए.5, बीए.2.12.1 पर भी नजर रखी जा रही है।

एक चौथाई पावर प्लांट बंद : 16 राज्यों में 10 घंटे बिजली कटौती; कोयला सप्लाई बढ़ाने और मालगाड़ी को रास्ता देने 42 ट्रेनें कैंसिल

नई दिल्ली

भीषण गर्मी के चलते देशभर में बिजली की मांग बढ़ती जा रही है। ऐसे में देश के एक चौथाई पावर प्लांट बंद हैं। नतीजा, 16 राज्यों में 10 घंटे तक के बिजली कटौती शुरू हो गई है। सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक, देशभर में 10 हजार मेगावॉट, यानी 15 करोड़ यूनिट की कटौती हो रही है, लेकिन बिजली की कमी वास्तव में कहीं ज्यादा है। इस बीच रेल मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाया है। रेलवे ने पावर प्लांट्स तक कोयले की तेजी से सप्लाई के लिए कुल 42 ट्रेनों को अनिश्चित काल के लिए कैंसिल कर दिया है, ताकि कोयला ले जा रही मालगाड़ियां समय पर

निर्धारित स्टेशनों पर पहुंच सकें।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर्स भी बना रहा रेलवे:- भारतीय रेलवे के कार्यकारी निदेशक गौरव कृष्ण बंसल के मुताबिक पैसेंजर ट्रेनों को रद्द करने का फैसला अस्थायी है। स्थिति सामान्य होते ही सेवाएं वापस शुरू कर दी जाएंगी। इस फैसले के बाद रेलवे अपने बेड़े में एक लाख और वैगन जोड़ने जा रहा है। इसके अलावा रेलवे माल को तेजी से पहुंचाने के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर्स भी बना रहा है।

5 साल में पहली बार बढ़ाई एवरेज डेली लोडिंग:- अस्थायी रूप से रद्द की गई 42 ट्रेनों में लंबी दूरी की मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के 670 फेरे शामिल हैं। इसके साथ ही रेलवे ने कोल रैक्स की एवरेज डेली लोडिंग भी 400 से ज्यादा कर दी है। यह आंकड़ा पिछले 5 साल में सबसे ज्यादा है। रेलवे प्रति दिन 415 कोल रैक्स की ढुलाई कर रहा है, ताकि कोयले की मौजूदा मांग को पूरा किया जा सके। इनमें से हर एक कोल रैक में 3500 टन कोयला होता है।

राजधानी में भी परेशानी

वहीं, बिजली कटौती का असर अब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी होने लगा है। कोयले की कमी के गहराते संकट के बीच दिल्ली सरकार ने मेट्रो और अस्पतालों समेत कई आवश्यक संस्थानों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति में असमर्थता जताई है। दिल्ली के बिजली मंत्री सत्येंद्र जैन ने स्थिति का आकलन करने के लिए गुरुवार को एक आपातकालीन बैठक की। साथ ही केंद्र को पत्र लिखा और अनुरोध किया कि वह राष्ट्रीय राजधानी को बिजली की आपूर्ति करने वाले बिजली संयंत्रों को पर्याप्त कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

इबोला से जूझ रहे कांगो पर नई आफत:खसरा से 4 महीने में 132 लोगों की मौत; पोइंते-नोइरे शहर में महामारी का सबसे ज्यादा प्रकोप

किंसासा। इबोला वायरस से जूझ रहे अफ्रीकी देश कांगो में खसरा महामारी से नई आफत खड़ी हो गई है। साल की शुरुआत से अब तक यहां पर खसरा के 6,259 मामले दर्ज किए गए, जिससे 132 लोगों की मौत हो चुकी है। देश की आर्थिक राजधानी पोइंते-नोइरे इस महामारी का केंद्र बन चुका है। कांगो के स्वास्थ्य मंत्री गिल्बर्ट मोकोकी ने बताया कि पोइंटे-नोइरे में इस साल की शुरुआत से 24 अप्रैल तक खसरा के 5,488 मामले और 112 मौत दर्ज की गई है। इनमें ज्यादातर की मौत हॉस्पिटल में देरी से भर्ती होने से हुई। महामारी के बढ़ते प्रकोप को कम करने के लिए सरकार ने एहतियाती कदम भी उठाने शुरू कर दिए हैं। मोकोकी का कहना है कि हमने इस बीमारी के शुरुआती लक्षण और इसे लेकर कई जागरूकता प्रोग्राम शुरू किए हैं। हमारी सरकार लोगों के ज्यादा से ज्यादा वैक्सीनेशन पर जोर दे रही है।

न्यूज ब्रीफ

दंगाइयों को भागवत की चेतावनी:संघ प्रमुख बोले- जिस समाज को हिंसा पसंद है, वो अपने आखिरी दिन गिन रहा है

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने देश भर में हो रहे दंगों को लेकर एक बड़ी टिप्पणी की है। ङ्गस्स् चीफ ने अमरावती के एक कार्यक्रम में कहा कि जिस समाज को हिंसा पसंद है, वो अपने अंतिम दिन गिन रहा है। भागवत ने ये भी कहा कि हिंसा से किसी को फायदा नहीं होता। सभी समुदायों को एक साथ मानवता की रक्षा करनी चाहिए। भागवत का ये बयान पिछले दिनों रामनवमी और हनुमान जयंती के मौके पर देश के कई हिस्सों में हुई हिंसा के संदर्भ में देखा जा रहा है।

संत और समाज साथ होगा तो सरकार भी पीछे चलेगी:- भागवत, कंवरराम धाम में संत कंवरराम के प्रपौत्र साईं राजलाल मोर्डिया के गद्दीनशीनी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें हिंसा त्यागने और शांति कायम करने वाला होना चाहिए। सभी समुदायों को मानवता की रक्षा का काम प्राथमिकता से करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब संत और समाज एक साथ आ जाएगा तो सरकार को उनके पीछे चलना ही होगा।

सिंधी भाई सब कुछ पाकिस्तान में छोड़कर यहां आए:- संजय शेरपुरिया द्वारा पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओ की पीड़ा पर लिखी गई किताब %मैं माधोभाई, एक पाकिस्तानी हिंदू% का लोकार्पण करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने किया। उन्होंने पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओं और पाकिस्तान से भारत आने वाले हिंदुओं की पीड़ा के बारे में कहा कि सिंधी समाज के लोग गंवाकर नहीं बल्कि सब कुछ छोड़कर आए हैं। और एक दिन भारत फिर से अखंड जरूर होगा। उन्होंने आगे कहा कि कुछ सिंधी भाई अपने धर्म और जमीन की रक्षा के लिए पाकिस्तान में रुक गए थे और कई लोग जमीन न बचाकर अपने धर्म की रक्षा के लिए भारत आ गए।

गर्मी का सितम और बढ़ा : मप्र, उप्र, राजस्थान समेत 18 राज्यों के 20 शहरों में 45 पार हुआ

46 डिग्री के साथ प्रयागराज सबसे गर्म

नई दिल्ली

गर्मी ने लोगों की अग्निपरीक्षा लेनी शुरू कर दी है और आने वाले दिनों में भी इससे राहत नहीं मिलने वाली है। पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत 18 राज्यों के 20 से ज्यादा शहरों में पारा 45 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया है। इसमें 46 डिग्री के साथ ङ्क का प्रयागराज टॉप पर है।

दिल्ली में गर्मी ने 12 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

दिल्ली में गर्मी ने शुक्रवार को 12 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यहां अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले अप्रैल में 43.5 डिग्री से ज्यादा तापमान 2010 में रिकॉर्ड हुआ था। तब अप्रैल की 18 तारीख को पारा 43.7 तक पहुंचा था।

अभी पारा नीचे आने के कोई आसार नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में अगले 5 दिनों तक लू चलती रहेगी। पूर्वी भारत में 3 दिन बाद गर्म हवा के थपेड़ों में थोड़ी राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विज्ञानी नवदीप दहिया ने बताया कि राजस्थान के चुरू, बाड़मेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर जैसे स्थानों पर अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस सामान्य है, लेकिन अप्रैल के अंत तक उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में 45-46 डिग्री सेल्सियस सामान्य नहीं है। पश्चिम बंगाल में बढ़ते तापमान के चलते स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां 2 मई से शुरू हो जाएंगी। ष्टरूममता बनर्जी ने कहा कि यह निर्णय निजी स्कूलों पर भी लागू होता है। वहीं, 2 मई से कॉलेज और विश्वविद्यालय भी बंद रहेंगे।

पाक पीएम का सऊदी में विरोध

कर्ज मांगने गए शहबाज शरीफ पर फूटा पाक का गुस्सा, चोर-चोर के नारे लगाए

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तीन दिन की आधिकारिक यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे हैं। बीते दिन वो अपने मंत्रिमंडल के साथ मदीना में मस्जिद-ए-नबवी गए थे, लेकिन यहां मौजूद पाकिस्तानियों ने उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो की शुरुआत में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री जैसे सऊदी डिप्लोमैट्स के साथ मस्जिद-ए-नबवी में पहुंचते हैं, लोग उनके खिलाफ नारेबाजी शुरू कर देते हैं। इसी बीच कुछ लोग चोर-चारे चिल्लाने लगाते हैं। वहीं एक अन्य वीडियो में भी जब शहबाज का मंत्रिमंडल मस्जिद में पहुंचता है तो उनके खिलाफ भी इसी तरह के नारे सुनाई जाते हैं।

सूचना मंत्री का आरोप नारेबाजी के पीछे इमरान का हाथ

पाकिस्तान की सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने इस विरोध प्रदर्शन के पीछे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का हाथ बताया है। उन्होंने कहा कि मैं इस पाक जगह पर उस इंसान का नाम नहीं लूंगी, क्योंकि में इस जगह का इस्तेमाल राजनीति के लिए नहीं करना चाहती। इमरान खान ने पाकिस्तानी सोसायटी को बर्बाद कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। प्रधानमंत्री बनने के बाद शहबाज शरीफ का यह पहला सऊदी दौरा है। उनका मकसद सऊदी से 3.2 अरब डॉलर का कर्ज हासिल करना है। उनके साथ इस दौरे पर उनके मंत्रिमंडल के 16 सदस्य भी हैं।

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड देगा राहत पैकेज

सऊदी कर्ज मांगने पहुंचे पाकिस्तानी पीएम को इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड से राहत भरी खबर मिली है। IMF ने पाकिस्तान के रुके हुए राहत पैकेज को एक साल तक बढ़ाने पर सहमति जताई है। साथ ही मौजूदा लोन दो अरब डॉलर और बढ़ा दिया जाएगा। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फैसले से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली नई सरकार को राहत मिलने की उम्मीद है। पाकिस्तान के नए वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल और ढ्ढरूस्न के उप प्रबंध निदेशक एंटोनेट सईह के बीच वॉशिंगटन में हुई बातचीत के बाद यह समझौता हुआ।

झज्जर की फैक्ट्री में अमोनिया गैस का रिसाव

सांस लेने में शिकायत के बाद कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया

हरियाणा

हरियाणा के झज्जर में गुरुवार रात एक फैक्ट्री से अचानक अमोनिया गैस रिसाव होने लगा, जिसके बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का महौल बन गया। हादसे के बाद कई लोगों को सांस लेने में दिक्कतें आने लगी। उल्टी की शिकायत मिलने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। फैक्ट्री से पूरे स्टाफ को निकाल लिया गया है। मौके पर मौजूद दमकल की टीम ने इलाके में पानी का छिड़काव किया, जिससे गैस के प्रभाव को कम किया जा सके। गैस का रिसाव कत्था बनाने वाली एक फैक्ट्री के टैंक पाईप से हुआ। हालाकि, हालात अभी काबू में है। मौके पर पुलिस-प्रशासन के अधिकारी पहुंचे। जानकारी के मुताबिक, राहत बचाव के दौरान दमकल के दो कर्मचारियों की भी तबियत खराब हो गई। उन्हें भी तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। झज्जर के डिप्टी कमिश्नर जग निवास ने बताया, %हमें सूचना मिली कि यहां अमोनिया गैस का रिसाव हो रहा है। एहतियात के तौर पर उस

इलाके पानी का छिड़काव किया गया है। एंबुलेंस को भी बुलाया गया है। आसपास के स्थानीय लोगों को भी सूचित किया जा रहा है। लोगों से मास्क लगाने की भी अपील की गई है।

डिप्टी कमिश्नर के मुताबिक, फैक्टरी में अमोनिया गैस के रिसाव को रोकने के लिए सिलेंडर के वॉल को बंद कर दिया है। पाइपों में जो गैस है उसका धीरे-धीरे रिसाव हो रहा है। अब तक किसी के जान-माल की नुकसान की खबर नहीं मिली है। हादसे के बाद कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

कुछ दिन पहले सोनीपत में कॉपर गैस लीक हुआ

इससे पहले हरियाणा के ही सोनीपत के पांची गांव में एक ऐसी ही घटना घटी थी। सोनिपत के हुंडई मेटल कंपनी में स्क्रैप पिघलाने से अचानक कॉपर गैस का रिसाव होने लगा था, जिसमें 30 से ज्यादा महिला कर्मचारियों की तबियत बिगड़ गई थी। ये सभी महिलाएं स्क्रैप पिघलाने वाली भट्टी के पास छटाई का काम कर रही थीं।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज ब्रीफ

दानिश को हिंदू होने की सजा मिली : पूर्व स्पिनर का आरोप-अफरीदी ने फिक्सिंग में फंसाया, उम्रभर का प्रतिबंध हटाया जाए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने शाहिद अफरीदी पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से आजीवन प्रतिबंध हटाने का अनुरोध किया है। दानिश कनेरिया पर साल 2013 में स्पॉट फिक्सिंग के आरोप लगे थे, जिसमें वह दोषी पाए गए। दानिश कनेरिया ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि पाकिस्तान के कप्तान अफरीदी ने उनके खिलाफ हिंदू होने के कारण साजिश रची थी। गौरतलब है कि बीते साल शोएब अख्तर ने चौंकाने वाला खुलासा किया था कि हिंदू होने की वजह से पाकिस्तान टीम ने दानिश कनेरिया के साथ अन्याय किया था। कनेरिया ने द्बह्स्र से बातचीत में कहा, शोएब अख्तर सार्वजनिक रूप से मेरी समस्या के बारे में बात करने वाले पहले व्यक्ति थे। शोएब ने अपने बयान में कहा था कि हिंदू होने के कारण दानिश के साथ टीम में बुरा बर्ताव हुआ। आगे दानिश कहते हैं कि बाद में कई अधिकारियों द्वारा उन पर दबाव डालने के बाद शोएब ने मेरे साथ हुए भेदभाव पर बात करना बंद कर दिया। लेकिन हां, यह मेरे साथ हुआ। मुझे शाहिद अफरीदी ने हमेशा नीचा दिखाया। हम एक ही टीम के लिए एक साथ खेलते थे, जहां वह अक्सर मुझे बेंच पर बैठाते थे और वनडे टूर्नामेंट नहीं खेलने देते थे।

शाहिद नहीं चाहते थे कि मैं टीम में रहूं- दानिश कनेरिया

दानिश कनेरिया ने IANS को बताया, शाहिद नहीं चाहते थे कि मैं टीम में रहूं। वह झूठे व्यक्ति हैं। हालांकि, मेरा ध्यान केवल क्रिकेट पर था और मैं इन सभी बातों को अनदेखा करता था। वह शाहिद अफरीदी ही थे, जो अन्य खिलाड़ियों के पास जाते और उन्हें मेरे खिलाफ भड़काते थे। मैं अच्छा प्रदर्शन कर रहा था और उन्हें मुझसे जलन हो रही थी। मुझे गर्व है कि मैं पाकिस्तान के लिए खेला। मैं इसके लिए PCB का आभारी हूं।

अगर अफरीदी कप्तान नहीं होते तो बड़ा होता वनडे करियर

पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि अगर वह अफरीदी की कप्तानी में नहीं होते तो वह 19 वनडे मैचों की तुलना में बहुत अधिक मैच खेल सकते थे। कराची में जन्मे इस खिलाड़ी ने यह भी कहा कि वह कभी भी किसी भी तरह की स्पॉट फिक्सिंग में शामिल नहीं रहे। उन्होंने आगे कहा, मेरे खिलाफ स्पॉट फिक्सिंग के कुछ झूठे आरोप लगाए गए थे। मेरा नाम मामले में शामिल व्यक्ति के साथ जोड़ा गया था। वह अफरीदी समेत अन्य पाकिस्तानी क्रिकेटरों का भी दोस्त था, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं इसमें क्यों शामिल किया गया था। मैं सिर्फ PCB से प्रतिबंध हटाने का अनुरोध करना चाहता हूं, ताकि मैं अपना काम कर सकूं। दानिश कनेरिया के करियर पर एक नजर

साल 2000 और 2010 के बीच कनेरिया ने 61 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 34.79 की औसत से 261 विकेट लिए। उन्होंने 18 वनडे मैचों में 45.53 की औसत से 15 विकेट लेकर पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया। वह टेस्ट में पाकिस्तान के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर बने हुए हैं और वसीम अकरम (414), वकार यूनिस (373) और इमरान खान (362) के बाद ऑल टाइम लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं।

ड्रॉप होने के बाद वरुण वापसी करने के लिए और प्रेरित होंगे : वेटोरी

नई दिल्ली

न्यूज़ीलैंड और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान डेनियल वेटोरी का मानना है कि वरुण चक्रवर्ती को %प्लान बी की सख्त ज़रूरत है।% ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो के विशेष शो टी20 टाइम-आउट पर वेटोरी ने कहा कि शीर्ष गुणवत्ता वाले बल्लेबाज़ों के विरुद्ध, जो उनकी गेंदबाज़ी को समझने लगे हैं, नहीं चल पाना इस सीज़न में वरुण की ख़राब फ़ॉर्म का कारण बन चुका है। मंगलवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने वरुण को एकादश से बाहर रखा था। उनकी जगह युवा तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा को मौक़ा दिया गया क्योंकि कोलकाता लगातार चार हार के बाद अंक तालिका में आगे बढ़ने का प्रयास कर रही थी। वेटोरी ने कहा, ५उनके आंकड़े अच्छे नहीं हैं। उनकी गेंदबाज़ी पिछले सीज़नों की तरह घातक भी नहीं नज़र आ रही है। वह गेंद को ज़्यादा स्पिन नहीं करवाते जिससे बल्लेबाज़ उनपर आसानी से आक्रमण कर सकते हैं। शायद

इन सब कारणों की वजह से कोलकाता ने (उन्हें ड्रॉप करना का) यह निर्णय लिया है। उन्होंने आगे कहा, शायद वह उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना चाहते थे। वह पिछले साल की तुलना में एक अलग ही गेंदबाज़ नज़र आ रहे हैं। इस सीज़न में वरुण ने आठ मैचों में केवल चार विकेट अपने नाम किए हैं, वह भी 8.82 की इकॉनमी के साथ। पिछले तीन मैचों में उन्होंने चार ओवरों का स्पेल पूरी नहीं किया हैं और विकेट भी उनके हाथ नहीं लगी है। इस दौरान उन्होंने 12 की इकॉनमी से रन लुटाए हैं। यह आईपीएल 2021 की सफलता के बाद उनके फ़ॉर्म में भारी गिरावट है। 17 मैचों में 18 विकेट लेकर वरुण ने कोलकाता को फ़ाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। वेस्टइंडीज़ के पूर्व तेज़ गेंदबाज़ इयन बिशप ने टी20 टाइम-आउट पर कहा, सच कहूं तो मुझे आश्चर्य बिल्कुल भी नहीं हुआ। वह पिछले तीन मैचों में प्रति ओवर 12 रन दे रहे थे। आठ मैचों में चार विकेट ने कोलकाता को ऐसी स्थिति में डाल दिया जहां ग़लतियां की बहुत कम गुंजाइश बची थी। उन्होंने आगे कहा, इस सीज़न में केवल छह अंक अर्जित करने के बाद उन्हें वानखेड़े स्टेडियम पर अपनी सबसे अच्छी एकादश को मैदान पर उतारना था। यह दो अंक महत्वपूर्ण थे क्योंकि यहां से स्थिति और कठिन होती चली जाएगी। इसलिए मुझे बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ कि उन्होंने इन परिस्थितियों में यह निर्णय लिया।

बिशप को लगता है कि इस सीज़न में पिच उम्मीदानुसार धीमी नहीं हुई है। वरुण गेंद को कम घूमाते हैं लेकिन वह विविधता और पिच से मिल रही मदद पर निर्भर करते हैं। उन्होंने कहा, मैं इतनी आसानी से किसी खिलाड़ी पर विश्वास करना नहीं छोड़ता। मुझे लगता है कि अपने करियर के किसी भी पड़ाव पर आप सीख सकते हैं। (युज़वेंद्र) चहल और कुलदीप (यादव) को अच्छा प्रदर्शन करते देखने के बावजूद मुझे लगता है कि कुछ पिचों ने (वरुण) चक्रवर्ती की मदद नहीं की है। शायद वह आने वाले मैचों में वापसी करेंगे। शायद वह उन्हें आराम दे रहे हैं ताकि वह अपना समय लेकर पुराने रंग में वापस लौट सकें, फिर चाहे वह इस सीज़न में हो या अगले सीज़न में। वेटोरी को लगता है कि ड्रॉप करना वरुण की फ़ॉर्म को पुनर्जीवित करने का एक तरीक़ा हो सकता है। आईपीएल में बेंगलुरु और बीबीएल में ब्रिस्बेन हीट के कोच होने के नाते उन्हें भी ऐसे कठिन निर्णय लेने पड़े हैं। वरुण को ड्रॉप करने के बावजूद कोलकाता को इस सीज़न में लगातार पांचवीं और कुल मिलाकर अपनी छठी हार का सामना करना पड़ा। यहां से उनके लिए प्लेऑफ़ की राह और कठिन हो चुकी है। वेटोरी ने कहा, जब आप ख़राब फ़ॉर्म से गुज़रते हैं तो आपको ड्रॉप होने का इंतज़ार रहता है। जब आप लगातार खेलते रहते हैं, आपको पता लगाने का मौक़ा नहीं मिलता कि आख़िर क्या ग़लत हो रहा है। इसलिए यदि आप किसी खिलाड़ी को बातचीत करने के बाद ड्रॉप करते हैं तो वह लगभग ख़ुद को रीसेट कर सकता है।

हम एक संतुलित टीम नहीं बना पा रहे हैं : श्रेयस

मुंबई

कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर का मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध उनकी निराशाजनक बल्लेबाज़ी के लिए उनके पास कोई बहाना नहीं है। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम सही सलामी जोड़ी नहीं चुन पाई है और यह उनके लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। साथ ही कप्तान ने इस सीज़न में लगातार पांचवीं हार झेलने के बाद अपनी टीम से निडर होकर खेलने का आग्रह किया। गुरुवार को कुलदीप यादव की घातक गेंदबाज़ी के सामने घुटने टेकते हुए कोलकाता ने 83 रनों के भीतर छह विकेट गंवा दिए थे। केवल तीन ही बल्लेबाज़ 10 से अधिक रन बना पाए लेकिन नितीश राणा की अर्धशतकीय पारी ने उन्हें एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। दूसरी पारी में कोलकाता ने लगातार अंतराल पर विकेट लिए लेकिन वह दिल्ली को रोक नहीं पाई। श्रेयस ने मैच के बाद ब्रॉडकास्टर को बताया, शुरुआत में हमने धीमी गति से बल्लेबाज़ी की और विकेट भी गंवाए। गेंद पिच पर रुककर आ रही थी। इसके बावजूद मुझे लगता है कि हमने पर्याप्त रन नहीं बनाए। जिस तरह से

हमने बल्लेबाज़ी की, उसके लिए कोई बहाना नहीं है। हमें वापस जाकर देखना होगा कि हमसे कहां ग़लतियां हो रही हैं। तीन जीत के साथ कोलकाता इस समय अंक तालिका में केवल मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स से आगे हैं। नौ मैचों के बाद भी वह अपनी सबसे अच्छी सलामी जोड़ी की तलाश कर रही हैं। इस सीज़न में वह पांच अलग-अलग सलामी जोड़ियां बदल चुकी हैं। पिछले सीज़न में ओपन करते हुए सभी को प्रभावित करने वाले वेंकटेश अय्यर अपने फ़ॉर्म को नहीं दोहरा पाए हैं और कुछ मैचों के लिए तो उन्हें मध्य क्रम में उतारा गया। सुनील नारायण का बल्ला शांत रहा है और अन्य सलामी बल्लेबाज़ ऐरन फ़िंच और सैम बिलिंग्स चोटिल रहे हैं। पहले पांच मैचों में अजिंक्य रहाणे और वेंकटेश पारी की शुरुआत कर रहे थे लेकिन ख़राब प्रदर्शन के बाद रहाणे को ड्रॉप कर दिया गया। दिल्ली के विरुद्ध फ़िंच और वेंकटेश ने पारी का आग़ाज़ किया था लेकिन वह क्रमशः छह और तीन ही रन बना पाए।

श्रेयस के अनुसार सलामी जोड़ी की परेशानी के कारण उन्हें अपने बल्लेबाज़ी क्रम में लगातार बदलाव करने पड़ रहे हैं और इससे टीम को संतुलन नहीं मिल पाया है। श्रेयस ने कहा, ५पिछले कुछ मैच कठिन रहे हैं क्योंकि हम सही सलामी जोड़ी नहीं चुन पाए हैं। मैचों के बीच कुछ खिलाड़ी चोटिल हो रहे हैं जिससे एक संतुलित टीम बनाने में कठिनाई हो रही है। मुझे लगता है कि इस लीग में आपके पास पहले मैच से ही सही टीम होनी चाहिए। अगर वह टीम अच्छा करती है तो आप वहां से आगे बढ़ सकते हैं। लीग स्टेज में कोलकाता को पांच और मुक़ाबले खेलने हैं। श्रेयस ने कहा कि अब टीम ध्यान देगी कि अधिक बदलाव ना किए जाए। सलामी जोड़ी ही नहीं बल्कि मध्यक्रम ने भी कोलकाता की मुसीबतें बढ़ाई हैं। हालिया मैचों में मध्य ओवरों में उन्होंने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए हैं। कोलकाता के कप्तान ने आगे कहा, मुझे लगता है कि हमें इसी एकादश पर टिके रहना होगा। हमें रक्षात्मक होने की बजाय निडर होकर खेल खेलना होगा। पांच मैच शेष है जिसमें हमें पूरी जान लगाकर इस टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक देना होगा। हमें खिलाड़ियों को समझाना होगा कि उन्हें पुराने मैचों को भूलकर एक नई शुरुआत करनी होगी। सब जमकर तैयारी कर रहे हैं। बात बस मानसिकता की है। मेरा मानना है कि आपको स्वंय पर विश्वास जताना होगा। इसके बाद अगर आप ग़लतियां करेंगे तो कोई बात नहीं।

श्रीलंका दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की चार टीमें घोषित

नई दिल्ली

जून-जुलाई में श्रीलंका में खेले जाने वाली सीरीज़ के लिए ऑस्ट्रेलिया की चार टीमें घोषित कर दी गई हैं। इनमें सेएक टीम ऑस्ट्रेलिया ए की है। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस को टी20 सीरीज़ से आराम देने का फ़ैसला किया गया है। वहीं ऐडम ज़ैम्पा पितृत्व अवकाश पर होने के चलते श्रीलंका दौरे में टीम का हिस्सा नहीं रह पाएंगे। मेहमान टीम को श्रीलंका में तीन टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है। वनडे और टी20 सीरीज़ के दौरान ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम भी इसी दौरान श्रीलंका में दो वनडे और दो चार दिवसीय मुक़ाबले खेलेगी। दोनों फ़ॉर्मेट के मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया ए की एक ही टीम चुनी गई है। हालांकि टीम के कप्तान का ऐलान अभी नहीं किया गया है। सीमित ओवर के मैचों के लिए टीम के कई दिग्गजों की वापसी हुई है।

टी20 अंतर्राष्ट्रीय दल

ऐरन फ़िंच (कप्तान), शॉन ऐबट, ऐश्टन एगार, जॉश हेज़लवुड, जॉश इंग्लिस (विकेटकीपर), मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, जाय रिचर्डसन, केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टॉयनिस, मिचेल स्वेप्सन, डेविड वॉर्नर, मैथ्यू वेड (विकेटकीपर)

वनडे दल

ऐरन फ़िंच (कप्तान), ऐश्टन एगार, ऐलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस, कैमरन ग्रीन, जॉश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस (विकेटकीपर), मार्नस लाबुशेन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टॉयनिस, मिचेल स्वेप्सन, डेविड वॉर्नर

टेस्ट दल

पैट कमिंस (कप्तान), ऐश्टन एगार, स्कॉट बोलंड, ऐलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, जॉश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस (विकेटकीपर), उस्मान ख़्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नेथन लायन, मिचेल मार्श, स्टीव स्मिथ (उपकप्तान), मिचेल स्टार्क, मिचेल स्वेप्सन, डेविड वॉर्नर

ऑस्ट्रेलिया ए दल

शॉन ऐबट, स्कॉट बोलंड, पीटर हैंड्सकॉम्ब, ऐरन हार्डी, मार्कस हैरिस, ट्रैविस हेड, हेनरी हंट, जॉश इंग्लिस, मैथ्यू कहनरमैन, निक मैडिनसन, टॉड मर्फ़ी, जॉश फ़िलिपे, मैट रेनशॉ, जाय रिचर्डसन, तनवीर संघा, मार्क स्टेकेटी।

अंपायर से भिड़े पंत:ललित यादव की गेंद को नो बॉल करार देने से नाराज, पहले गंवा चुके हैं 100 फीसदी मैच फीस

मुंबई

आईपीएल 2022 के 41वें मुकाबले में गुरुवार को दिल्ली कैपिल्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को चार विकेट से हरा दिया। इस मुकाबले में भी पंत नो-बॉल को लेकर अंपायर से भिड़ गए। दिल्ली के गेंदबाज ललित यादव की बॉल को नो बॉल करार दिए जाने पर पंत को सख्त आपत्ति थी। ऋषभ पंत राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में भी नो-बॉल विवाद को लेकर सुर्खियों में रहे थे। उस दौरान अंपायर ने आखिरी ओवर की तीसरी गेंद को नो-बॉल नहीं दिया था, जिसके बाद पंत का गुस्सा फूट पड़ा

और उन्होंने अपने बल्लेबाजों को वापस लौटने का इशारा किया था। बदले में पंत को 100 फीसदी मैच फीस गंवानी पड़ी थी। इस मुकाबले के दौरान दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत अंपायर के साथ नो-बॉल को लेकर बहस करते दिखाई दिए, जिसने राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली के मुकाबले की यादें ताजा कर दी। यह वाकया ललित यादव द्वारा फेंके गए पारी के 17वें ओवर में हुआ।ओवर की तीसरी गेंद को नीतीश राणा ने डीप प्वाइंट के ऊपर से छह रनों के लिए भेज दिया। साथ ही लेग-अंपयर ने हाइट के चलते उस गेंद को नो बॉल भी करार दिया। रियल टाइम में भी देखने पर गेंद स्पष्ट रूप नो-बॉल नजर आ रही थी, लेकिन पंत फैसले से नाखुश थे और वह अंपायर अनिल चौधरी के साथ बहस करते दिखाई दिए। अंपायर पूरे मामले को समझाने के बाद पंत मान गए। सोशल मीडिया पर इस वाकये का वीडियो काफी वायरल हो रहा है।

अपनी डेब्यू पारी से पहले मैं रात भर सो नहीं पाया था : युवराज

नई दिल्ली

भारत के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर युवराज सिंह ने बताया है कि 2000 आईसीसी नॉकआउट टूर्नामेंट में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी ऐतिहासिक पहली पारी से पहले कप्तान सौरव गांगुली के रचाए गए एक मज़ाक़ के चलते उन्हें पूरी रात नींद नहीं आई थी।

होम ऑफ़ हीरोज़ कार्यक्रम में युवराज ने संजय मांजरेकर को बताया कि मैच से पहले शाम को गांगुली ने 18-वर्षीय युवराज से पूछा कि क्या वह सलामी बल्लेबाज़ के तौर पर खेलने के लिए तैयार हैं। युवराज ने कहा, मैंने उनसे कहा कि अगर वह ऐसा चाहते हैं तो मैं ज़रूर ओपन करूंगा। इसके बाद मुझे सारी रात नींद नहीं आई। युवराज ने अपना डेब्यू टूर्नामेंट के मेज़बान केनया के ख़िलाफ़ कर लिया था लेकिन उस मैच में उनकी बल्लेबाज़ी नहीं आई थी। अगली सुबह गांगुली ने उन्हें बताया कि वह मज़ाक़ कर रहे थे और सचिन तेंदुलकर के साथ पारी का आग़ाज़ उन्होंने ख़ुद किया। भारत ने विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध 265

बनाए जिसमें युवराज ने 84 रन की शानदार पारी खेली। युवराज ने इस मैच को याद करते हुए कहा, मैं नंबर पांच पर बल्लेबाज़ी कर रहा था और बहुत तनाव में था। हालांकि जब तक मैं बल्लेबाज़ी करने उतरा तब तक मेरा ध्यान सिर्फ़ गेंद पर ही केंद्रित हो चुका था। युवराज के सामने गेंदबाज़ी क्रम में ग्लेन मक्ग्रा, जेसन गिलेस्पी, ब्रेट ली जैसे नाम मौजूद थे और साथ ही ऑस्ट्रेलिया की चिर-परिचित स्लेजिंग। उन्हें 37 के स्कोर पर एक जीवनदान भी मिला था। इस बात पर युवराज ने कहा, उस गेंदबाज़ी क्रम की गुणवत्ता ऐसी थी कि अगर आप आज मुझसे कहते कि मैंने अपनी पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध केवल 37 बनाए हैं तो भी मैं संतुष्ट होता। मेरा सौभाग्य था कि मैंने 84 बनाए और स्वाभाविक खेल के सहारे गेंद को क़रीब से देखा और ज़ोर से मारा। ऑस्ट्रेलिया को हरा पाना और ऐसे में प्लेयर ऑफ़ द मैच का ख़िताब भी पाना मेरे लिए बहुत बड़ी बातें थीं।

इस मैच में युवराज ने माइकल बेवन को रन आउट करके भी जीत में योगदान दिया था। भारत ने सेमीफ़ाइनल में साउथ अफ़्रीका को हराया था लेकिन फ़ाइनल में कप्तान गांगुली के लगातार दूसरे शतक के बावजूद वह न्यूज़ीलैंड से हार गए थे। हालांकि युवराज भारत के लिए 2007 वर्ल्ड टी20 और 2011 के 50-ओवर विश्व कप के दोनों विजयी अभियानों में प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट रहे थे।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

वैश्विक संकेतों से उछला बाजार

मुंबई। चीन में कोविड संक्रमण की स्थिति ज्यादा नहीं बिगडऩे के संकेत से निवेशकों का मनोबल बढ़ा है जिससे भारत सहित दुनिया भर के बाजारों में आज तेजी देखी गई। फेसबुक की प्रवर्तक कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के अच्छे नतीजों से तकनीकी शेयरों में उछाल का भी बाजार को फायदा मिला। इधर घरेलू बाजार में हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) के तिमाही नतीजे बेहतर रहने से उपभोक्ता वस्तुओं से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में लिवाली देखी गई। बेंचमार्क सेंसेक्स 702 अंक या 1.2 फीसदी बढ़त के साथ 57,251 पर बंद हुआ, निफ्टी भी 206 अंक चढ़कर 17,245 पर बंद हुआ। सूचकांकों की बढ़त में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचयूएल, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक जैसे दिग्गज शेयरों का अहम योगदान रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.5 फीसदी बढ़कर 2,819 रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इन्फोसिस 2 फीसदी चढ़कर 1,583 रुपये पर बंद हुआ। एचयूएल 4.6 फीसदी लाभ के साथ 2,242 रुपये पर बंद हुआ। सेंसेक्स की बढ़त में इन तीन शेयरों ने करीब 300 अंक का योगदान दिया। बीएसई एफएमसीजी सूचकांक सबसे ज्यादा 2.1 फीसदी चढ़ा। अल्फानीति फिनटेक के संस्थापक यूआर भट्ट ने कहा, %अभी तक डर सता रहा था कि ऊंची महंगाई का एफएमसीजी कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ सकता है। लेकिन एचयूएल के नतीजों ने इस आशंका को दूर कर दिया।% चीन में कोविड संक्रमण, रूस-यूक्रेन युद्ध और फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति को सख्त बनाए जाने की आशंका से इस हफ्ते शेयर बाजार में खासा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मगर कंपनियों के तिमाही नतीजे बेहतर रहने से वैश्विक बाजारों में तेजी आई है। मेटा के नतीजों से भी निवेशकों का हौसला बढ़ा है। अब निवेशकों की नजर ऐपल, एमेजॉन और ट्विटर के नतीजों पर टिकी है। पिछले हफ्ते फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने संकेत दिया था कि बढ़ती महंगाई को काबू में करने के लिए मई में ब्याज दर में 50 आधार अंक का इजाफा हो सकता है और जून में एक बार फिर 50 आधार अंक की बढ़ोतरी की जा सकती है।

रिलायंस का एम-कैप 19 लाख करोड़ रुपये के पार

रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) का बाजार पूंजीकरण गुरुवार को 25 करोड़ डॉलर के पार पहुंच गया। इस कीर्तिमान को हासिल करने वाली यह पहली भारतीय कंपनी है। स्थानीय मुद्रा में रिलायंस का बाजार पूंजीकरण 19.07 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जिससे यह देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज वर्तमान में दुनिया की 34वीं सबसे मूल्यवान कंपनी है। कंपनी का शेयर 1.5 फीसदी बढ़कर 2,819 रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। इस साल रिलायंस का शेयर अब तक करीब 17 फीसदी चढ़ चुका है।

टाटा की नई कॉन्सेप्ट इलेक्ट्रिक कार : 30 मिनट के चार्ज पर 500 किमी की रेंज वाली अविन्या पेश, इसकी सीटें 360 डिग्री घूमेंगी

नई दिल्ली

टाटा मोटर्स ने अपनी एक और कॉन्सेप्ट कार टाटा अविन्या दुनिया के सामने पेश कर दी। ये कार टाटा के नए इलेक्ट्रिक व्हीकल प्लेटफॉर्म पर बेस्ड है। टाटा समूह ने इसी महीने की शुरुआत में टाटा कर्व कॉन्सेप्ट कार को भी पेश किया था। इस कार की ड्राइवर और फ्रंट पैसेंजर सीट रिवॉल्विंग होंगी और ये 360 डिग्री घूम जाएंगी। ये इलेक्ट्रिक कार 30 मिनट की चार्जिंग पर 500 किमी की रेंज देती है।

अविन्या का मतलब इनोवेशन

इस कॉन्सेप्ट कार का नाम अविन्या रखे जाने के पीछे टाटा मोटर्स के एमडी शैलेष चंद्र ने कहा कि ये संस्कृत भाषा से लिया गया शब्द है। इसका मतलब इनोवेशन होता है। साथ ही इस नाम में IN भी आता है। जो इंडिया की पहचान है। चंद्र ने कहा कि अविन्या को फ्यूचर और वेलनेस के संगम से तैयार किया गया है। ये कार यात्रा के दौरान लोगों को रेजुन्वाइट करने का काम भी करेगी।

कार के स्टीयरिंग व्हील पर टच पैनल मिलेगा:- टाटा अविन्या का डिजाइन काफी फ्यूचरिस्टिक बनाया गया है। इसे सिंपल और मिनिमलिस्टिक रखा गया है। इसके मिनिमलिस्टिक होने का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कार के स्टीयरिंग व्हील पर एक टच पैनल दिया गया है और इसी से कार के पूरे फीचर्स कंट्रोल होते हैं। कार का डैशबोर्ड असल में एक पूरा साउंड बार है जो इसे एक हैपनिंग व्हीकल बनाता है। हर यात्री के हेडरेस्ट पर स्पीकर दिए गए हैं, जिससे उसे संगीत सुनते वक्त पर्सनलाइज एक्सपीरिएंस हो।

बड़ी विंडस्क्रीन और कूल टायर्स

टाटा अविन्या की विंड स्क्रीन काफी बड़ी है। ये सनरूफ के साथ ऐसे मर्ज होती है,जिससे लगता है कि ये पूरी एक ही स्क्रीन है। वहीं इसके एलॉय व्हील कुछ-कुछ टाटा कर्व के व्हील का ही टच लिए हुए हैं, लेकिन उसके फ्लॉवर डिजाइन से अलग हैं।

इसकी सीटें 360 डिग्री घूमेंगी

कंपनी ने टाटा अविन्या का जो टीजर लॉन्च किया है, उससे पता चलता है कि इस कार की ड्राइवर और फ्रंट पैसेंजर सीट रिवॉल्विंग होंगी और ये 360 डिग्री घूम जाएंगी। इतना ही नहीं कार में लेग स्पेस का स्पेशल ध्यान रखा गया है। जबकि कार के इंटीरियर को ऐसा बनाया गया है जिससे यात्रियों को सुकून का अहसास हो। इसके लिए मिडिल हैंडरेस्ट के पास एक अरोमा डिफ्यूजर भी दिया गया है। कार के इंटीरियर में किसी भी तरह के भड़कीले रंग का उपयोग नहीं किया गया है।

यूनियन की मांग-डीजल की कीमतें रोज बढ़ाना बंद हो

टोल महंगा होने से ट्रक भाड़ा 20 फीसदी बढ़ा, ये चौतरफा महंगाई की बड़ी वजह

नई दिल्ली

साल भर में डीजल, टोल और इंश्योरेंस जैसी लागत बढ़ने से ट्रकों के मालभाड़े में 20 फीसदी यानी 5 से 7 रुपए प्रति किमी का इजाफा हो गया है। देश में हाल में बढ़ी चौतरफा महंगाई की एक बड़ी वजह है, क्योंकि फल-सब्जी से लेकर अनाज, सीमेंट, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद तक सभी ट्रकों के जरिए ही ट्रांसपोर्ट होते हैं।

डीजल में 1 रुपए का इजाफा होने से माल भाड़ा 60 पैसे बढ़ रहा

ट्रकों की ऑपरेटिंग लागत में 65 से 70 फीसदी खर्च डीजल का होता है। इसके अलावा, टोल टैक्स और इंश्योरेंस दूसरे प्रमुख खर्च हैं। इन तीनों में बीते सालभर में 25 फीसदी तक इजाफा हुआ है। ऑल इंडिया ट्रांसपोर्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन के मुताबिक, अगर डीजल में 1 रुपए का इजाफा होता है तो माल भाड़ा 50 से 60 पैसे बढ़ जाता है।

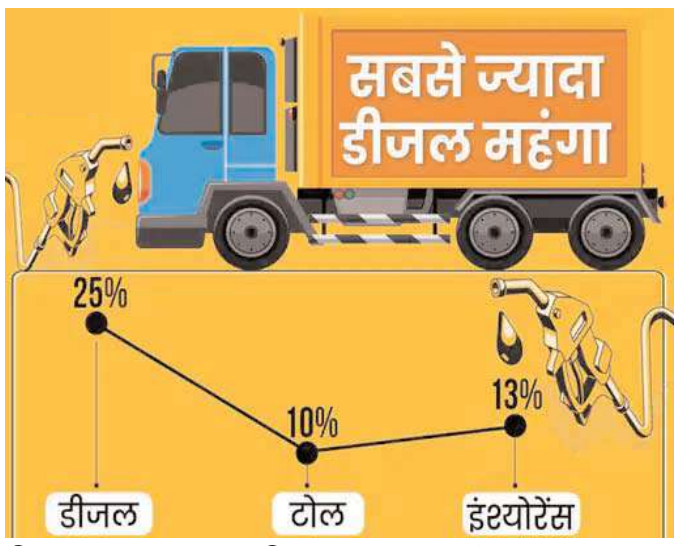

किराया भी 42 रुपए प्रति किलोमीटर हुआ

सालभर पहले 10 पहिए के ट्रक की प्रति किलोमीटर लागत 32.81 रुपए थी और किराया प्रति किमी 34-35 रुपए था। अब लागत बढ़ गई है तो किराया भी लगभग 40-42 रुपए प्रति किलोमीटर हो गया है। पूरे देश में भाड़े की एक समान दर नहीं है। जहां से रिटर्न लोड नहीं मिलता वहां पर भाड़ा ज्यादा लगता है।

डीजल की कीमतें रोज की बजाय तिमाही आधार पर बढ़े

AITWA के प्रेसिडेंट महेंद्र आर्य ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा कि देश में महंगाई बढ़ने की प्रमुख वजह ट्रकों का माल भाड़ा बढ़ना भी है। डीजल और अन्य लागत बढ़ने की वजह से भाड़ा बढ़ाना ट्रांसपोर्टर्स की मजबूरी है। सरकार से इस संबंध में हमारी बात हुई है, लेकिन सरकार डीजल की कीमतों में कोई समझौता नहीं करना चाहती। हमारी मांग है कि कम से कम डीजल की कीमतें रोज बढ़ाने के बजाय तिमाही आधार पर समीक्षा की जाए, ताकि हम भी ग्राहकों से तिमाही या सालाना आधार पर भाड़े को लेकर अनुबंध कर सकें।

ट्रांसपोर्टर्स की तीन मांगें

- डीजल पर लिया जाने वाला 55 फीसदी टैक्स कम किया जाए। राज्य भी डीजल पर वैट घटाएं।
- डीजल की कीमतों की दैनिक समीक्षा के बजाय पहले जैसे तिमाही आधार पर समीक्षा हो।
- पूरे देश में डीजल के दाम एक समान हों और ट्रकों के लिए प्रति किमी न्यूनतम भाड़ा तय हो।

कोविड के बाद पिछले साल 70-75 फीसदी तक रिकवरी हुई थी, पर डीजल से एक बार फिर स्थिति बिगड़ गई है। कमोडिटी के दाम बढ़ने और आम उपभोक्ता वस्तुओं की खपत कम होने से ट्रकों की डिमांड भी कम हो गई है।

– **नवीन कुमार गुप्ता,** महासचिव, ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस

कमाई साझेदारी पर जोर दे रहे होटल ब्रांड

नई दिल्ली

महामारी की वजह से लगाए गए लॉकडाउन के दौरान होटल मालिकों को काफी नुकसान हुआ और कमाई बिल्कुल भी नहीं हुई ऐसे में उस दौर से ही सबक लेते हुए मझोले स्तर के होटल ब्रांड अब लागत और जोखिम साझा करने की योजना बना रहे हैं। इसी योजना के तहत कई प्रमुख होटल ब्रांड प्रबंधन अनुबंध मॉडल के बजाय परिसंपत्ति मालिकों के साथ राजस्व साझेदारी मॉडल का विकल्प चुन रहे हैं। घरेलू स्तर के मझोले होटल ब्रांड मसलन इंडियन होटल कंपनी (आईएचसीएल) के जिंजर, कामत ग्रुप्स के ऑर्किड होटल्स और कॉन्सेप्ट हॉस्पिटैलिटी के फर्न जैसे ब्रांड परिसंपत्ति मालिकों के साथ राजस्व साझेदारी के विभिन्न चरणों में हैं। आईएचसीएल इस क्षेत्र में कुछ वर्षों से हैं लेकिन कॉन्सेप्ट हॉस्पिटैलिटी और कामत ग्रुप ने प्रबंधन अनुबंध पर निर्भरता दिखाई है। नोएसिस कैपिटल एडवाइजर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नंदीवर्धन जैन के मुताबिक परिसंपत्ति मालिक राजस्व साझेदारी करने के बेहद इच्छुक हैं। जैन की कंपनी परिसंपत्ति मालिकों और होटल ब्रांडों को एक दशक से भी अधिक समय से राजस्व साझेदारी करने के लिए कह रही है। जैन कहते हैं, %हम 10 होटल ब्रांडों के साथ बेहद सक्रियता से काम कर रहे हैं जो राजस्व साझेदारी का मूल्यांकन एक विकल्प के रूप में कर रहे हैं ताकि मुंबई, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, हैदराबाद, बेंगलूरु, पुणे, गोवा, कोलकाता, चेन्नई और अन्य बड़े प्रमुख वाणिज्यिक राजधानियों और छुट्टी बिताने वाली जगहों पर कुल मिलाकर 12,000 कमरे पोर्टफोलियो में जोड़ा जा सके।% पिछले 12 महीने में नोएसिस कैपिटल एडवाइजर्स ने महानगरों से लेकर टीयर 3 शहरों में कारोबार से लेकर छुट्टी बिताने वाली जगहों पर राजस्व साझेदारी आधार पर 23 होटलों के लिए करार पूरा किया है।

बाजार में छाई अधिग्रहण सौदों की बहार

मुंबई

देश के बाजार में एक बार फिर कई बड़े सौदों से उत्साह का माहौल है। इन सौदों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का 10 अरब डॉलर (76,000 करोड़ रुपये) में यूरोपीय दवा शृंखला बूट्स का संभावित अधिग्रहण, अदाणी और जेएसडब्ल्यू समूहों का अंबुजा सीमेंट्स के लिए बोली लगाना और एचडीएफसी एवं एचडीएफसी बैंक के बड़े विलय शामिल हैं। वर्ष 2022 के पहले चार महीनों में ही 105 अरब डॉलर से अधिक के विलय एवं अधिग्रहण के सौदे हो चुके हैं, जबकि 2021 के पहले चार महीनों में 44.2 अरब डॉलर मूल्य के सौदे हुए थे। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक कैलेंडर वर्ष 2021 में भारतीय कंपनी जगत में सबसे अधिक 149.4 अरब डॉलर के सौदे हुए थे, जो 2020 के मुकाबले 31.2 फीसदी अधिक थे। विशेषज्ञों का कहना है कि उद्योग के सभी खंडों में एकीकरण तेज हुआ है। इसका पता एचडीएफसी एवं एचडीएफसी बैंक और मल्टीप्लेक्स ऑपरेटर पीवीआर एवं आइनॉक्स के विलय से चलता है क्योंकि धनी कंपनियां आकर्षक कीमतों पर प्रतिस्पर्धी कंपनियों को खरीद रही हैं। एक प्रमुख कॉरपोरेट लॉ फर्म डीएसके लीगल में पार्टनर अपराजित भट्टाचार्य ने कहा, %पहली तिमाही (कैलेंडर वर्ष 2022) के दौरान अहम सकारात्मक सौदे हुए हैं। ज्यादातर कंपनियों का परिचालन कोविड से पहले के स्तरों पर लौट आया है, ज्यादा बैठकें आमने सामने बैठकर हो रही हैं और सौदे बिना देरी के तेजी से हो रहे हैं, जिससे सौदों की संख्या बढ़ रही है। दिग्गज वैश्विक कंपनियों के बीच स्थानीय कंपनियों को खरीदकर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवेश करने की रुचि बढ़ी है। राउंड द क्लॉक सोलर (आरटीसी), बैटरी स्टोरेज, हरित हाइड्रोजन जैसे उन क्षेत्रों में अरबों डॉलर के संयुक्त उद्यमों की घोषणा हो रही है, जिनका अभी दोहन नहीं हुआ है। रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी भारतीय कंपनियां विदेश में अधिग्रहण कर रही हैं।

आरामदायक बनेगा रेल सफर : इंडियन रेलवे चलाएगी स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस, 200 ट्रेनों के लिए टेंडर जारी

नई दिल्ली।

वंदे भारत एक्सप्रेस को मिले अच्छे रिस्पॉन्स को देखते हुए अब इंडियन रेलवे ने स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने प्लानिंग में है। इसके लिए इंडियन रेलवे ने 200 स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए टेंडर जारी किया है। इस टेंडर में एक्सप्रेस के डिजाइन, मैन्यूफैक्चरिंग और मेंटेनेंस शामिल है। इसके अलावा रेलवे ने वंदे भारत के अपग्रेडेशन के लिए भी टेंडर जारी किया है। बता दें टेंडर की आखिरी तारीख 26 जुलाई 2022 निर्धारित की गई है।

ट्रेन के सभी कोच एसी होंगे

इंडियन रेलवे की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस के सभी कोच एसी होंगे। स?लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस को मध्यम और लंबी दूरी के रूट पर चलाया जाएगा। रेलवे की तरफ से टेंडर को लेकर कहा गया कि? मौजूदा वंदे भारत

एक्सप्रेस के अपग्रेडेशन का काम महाराष्ट्र के लातूर में स्थित मराठवाड़ा रेल कोच फैक्ट्री में किया जाएगा या चेन्नई में। 16 डिब्बों वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में 1 फर्स्ट एसी , 4 सेकेंड एसी और 11 थर्ड एसी के डिब्बे होंगे। 20 डिब्बों वाली स्लीपर ट्रेन में फर्स्ट एसी , 4 सेकेंड एसी और 15 थर्ड एसी के डिब्बे लगाए जाएंगे। इस ट्रेन की रफ्तार 160 किमी प्रतिघंटे की होगी।

तय समय में 200 ट्रेनें तैयार होंगी

रेलवे की तरफ से दी गई जानकारी में बताया कि पहली प्री-बिड कॉन्फ्रेंस 20 मई 2022 को आयोजित किया जाएगा। रेलवे ने टेंडर में बताया कि स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस की डिलीवरी की डेडलाइन 6 साल 10 महीने की होगी। कंपनी इस टाइम पीरियड के अंदर 200 ट्रेनें तैयार करके देगी।

वाराणसी से नई दिल्ली के बीच चलाई गई थी पहली वंदे भारत:- वाराणसी से नई दिल्ली के बीच 15 फरवरी 2019 को पहली वंदे भारत एक्सप्रेस चलाई गई थी। इसके बाद 3 अक्टूबर 2019 को दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन नई दिल्ली से कटरा स्टेशन के बीच शुरू हो गई। ये दोनों ही ट्रेनें चेयरकार हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस की अधिकतम स्पीड 160 किलोमीटर प्रति घंटा है, जो कि भारतीय रेल नेटवर्क की सबसे तेज स्पीड है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र। आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)